page 1 and 8 July 21_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/21/2026 2:15 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 भारी बारिश के मद्देनज़र कर्नाह उपमंडल प्रशासन ने एहतियाती कदम तेज किए

5 संग्राम सिंह बने एशियन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय

8 एसडीएम मेंढर ने भारी बारिश से हुए नुकसान का लिया जायजा

मौसम जम्मू — न्यूनतम 22 — अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-182 | जम्मू तवी, मंगलवार 21 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पेपर लीक, प्रधान के इस्तीफे की मांग और चढ़ावा चोरी पर हंगामे की भेंट चढ़ा संसद का पहला दिन

नयी दिल्ली, 20 जुलाई । संसद के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को नीट यूजी पेपर लीक, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और चढ़ावा चोरी के मुद्दों पर विपक्ष के जोरदार हंगामे की भेंट चढ़ गया। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इन मुद्दों को उठाया, जिसके कारण दोनों सदनों में प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चला और ना ही कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका। सदस्य दोनों सदनों में हंगामा और नारेबाजी करते रहे। लोकसभा और राज्यसभा में बार-बार के स्थगन के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा में प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नीट यूजी पेपर लीक और चढ़ावा चोरी लिखी तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से अपनी

सीटों पर लौटकर प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए कहा कि संसद सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है और यहां चुनकर भेजे गए सांसदों से जनता को बड़ी अपेक्षाएं रहती हैं। उन्होंने तख्तियां लहराने और नारेबाजी को सदन की मर्यादा के विपरीत बताते हुए कहा कि सत्र के पहले दिन सदन नहीं चलने की परंपरा टूटनी चाहिए। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी। कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने विपक्ष से सदन चलने देने की अपील करते हुए कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है तथा असम और अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। इसके बावजूद विपक्षी सदस्य शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे, जिसके कारण कार्यवाही पहले एक बजे और फिर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। भोजनावकाश के बाद भी गतिरोध समाप्त नहीं हुआ। पीठासीन अधिकारी जगदम्बिका पाल ने नियम 377 के तहत सदस्यों को अपने विषय उठाने के लिए कहा, लेकिन विपक्षी सदस्य फिर तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच पहुंच गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस के के.सी. वेणुगोपाल ने कोरम का मुद्दा उठाया, जबकि कुछ विपक्षी सदस्यों ने सांसदों को सदन में आने से रोके जाने का आरोप लगाया, जिसे पीठासीन अधिकारी ने खारिज कर दिया। उन्होंने सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटकर सदन की कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा जारी रहने पर पहले कार्यवाही पहले तीन बजे तक और फिर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

भारत-मोल्दोवा के बीच कृषि, स्वास्थ्य, एआई समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

नई दिल्ली, 20 जुलाई । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपनी तीन देशों की राजकीय यात्रा के पहले चरण में सोमवार को मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ में राष्ट्रपति माया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और शिष्टमंडल स्तर की वार्ता की। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य, औषधि, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार, लॉजिस्टिक्स और आधारभूत ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को चिशिनाउ पहुंचीं। उनके साथ केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया, राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा और लोकसभा सदस्य विजय बघेल भी हैं। चिशिनाउ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोल्दोवा

के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका स्वागत किया।

बाद में राष्ट्रपति मुर्मु मोल्दोवा के राष्ट्रपति भवन पहुंचीं, जहां मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू ने उनका औपचारिक स्वागत किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच एकांत वार्ता और शिष्टमंडल स्तर की बातचीत हुई, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं पर व्यापक और भविष्य उन्मुख चर्चा की गई।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली राजकीय मोल्दोवा यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह भारत और मोल्दोवा के बीच बढ़ती मित्रता तथा आपसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक दूरी के बावजूद दोनों देशों के बीच पिछले तीन दशकों से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं और शांति, विकास तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साझा मूल्यों ने इस साझेदारी को निरंतर मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने, संपर्क बढ़ाने तथा दोनों देशों के कारोबारी समुदायों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मोल्दोवा के पेशेवरों के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सीटों की संख्या दोगुनी करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसमें एआई और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। उन्होंने मोल्दोवा के राजनयिकों को भारत के विदेश सेवा संस्थान में एआई और साइबर कूटनीति पर विशेष पाठ्यक्रमों में भाग लेने का भी आमंत्रण दिया।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भूस्खलन और फ्लैश बाढ़ से 7 लोगों की मौत

पुंछ, 20 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के बारिश से प्रभावित पुंछ ज़िले के लोरान गांव के ऊंचे इलाकों में सोमवार को ताजा भूस्खलन की चपेट में आने से एक घर में मौजूद सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की चपेट में आया घर मिट्टी का बना था। बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने बताया कि मरने वालों में चार महिलाएं भी हैं। यहां शनिवार शाम से ही पुंछ में ज़ोरदार बारिश हो रही है। लोरान में मारे गए सात लोगों समेत अब तक कुल 15 लोगों की मौत हो चुकी है और छह लोग लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम, गोला बारूद का बड़ा जखीरा बरामद

बारामुला, 20 जुलाई जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम किया गया है। बारामूला जिले के कांडी वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया दौरान आतंकियों के छिपाए गई युद्ध सामग्री वार-लाइक स्टोर बड़ा जखीरा बरामद किया। इस प्रकार एक संभावित आतंकी साजिश को सुरक्षाबलों द्वारा नाकाम किया कर दिया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि यह संयुक्त अभियान 20 जुलाई को बारामूला पुलिस को मिली खुफिया सूचना के बाद शुरू किया गया। अभियान में भारतीय सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स (आर आर), बारामूला पुलिस, सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन तथा एसएसबी ने संयुक्त रूप से भाग लिया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने जंगल में छिपाकर रखी गई 2 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), 2 पिस्तौल तथा 7.62 मिमी के 530 जिंदा कारतूस बरामद किए। सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन से क्षेत्र में संभावित आतंकी गतिविधियों की एक बड़ी साजिश को विफल करने में मदद मिली है। बरामद सामग्री को लेकर आगे की जांच व कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कुख्यात ड्रग तस्करों की लगभग 8 करोड़ की 10 अचल संपत्तियों को किया ज़ब्त

श्रीनगर, 20 जुलाई । श्रीनगर पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस) के तहत कुख्यात ड्रग तस्करों की लगभग 8 करोड़ की 10 अचल संपत्तियों को ज़ब्त किया है। एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत कार्रवाई करते हुए नौहट्टा पुलिस स्टेशन ने नशीले पदार्थों की तस्करी से अवैध रूप से बनाई गई इन संपत्तियों को ज़ब्त किया। पुलिस अधिकारी के अनुसार सज्जाद अहमद शेख पुत्र बख्तवर अहमद शेख निवासी जाहिदपोरा शेख कॉलोनी, हवाल की 6 मरला ज़मीन पर बना दो मंज़िला रिहायशी घर जिसकी कीमत लगभग 85 लाख है, एफआईआर नंबर 55/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत ज़ब्त किया गया। श्रीमती हाजरा बेगम पत्नी फयाज़ अहमद खान निवासी तुजगारी मोहल्ला, शेख कॉलोनी, नौहट्टा की 4 मरला ज़मीन पर बना दो मंज़िला रिहायशी घर जिसकी कीमत लगभग 55 लाख है एफआईआर नंबर 13/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत ज़ब्त किया गया। ज़हूर अहमद शेख उर्फ़ गुल्लू पुत्र स्वर्गीय गुलाम हसन शेख, निवासी तुजगारी मोहल्ला, शेख कॉलोनी, नौहट्टा की 4 मरला ज़मीन पर बना चार मंज़िला रिहायशी घर जिसकी कीमत लगभग 75 लाख है एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर नंबर 41/2021, 11/2018 और 06/2013 के सिलसिले में ज़ब्त किया गया।

चलो संसद मार्च -120 से अधिक पुलिसकर्मी घायल, 60 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भी जख्मी, 70 हिरासत में

नई दिल्ली, 20 जुलाई (।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के चलो संसद मार्च के दौरान सोमवार को नई दिल्ली में प्रदर्शन हिंसक हो गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया, पथराव किया, सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला किया। पूरे घटनाक्रम में 120 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि 60 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की सूचना है। पुलिस ने करीब 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है और मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई बार प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से हटने और लागू निषेधाज्ञा का पालन करने की अपील की, लेकिन भीड़ ने निर्देशों की अनदेखी की। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे

बढ़ने की कोशिश की, पुलिस पर पथराव किया और सरकारी वाहनों समेत सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। इससे संसद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर स्थिति पैदा हो गई। पुलिस के अनुसार, हिंसा में स्पेशल पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारी भी घायल हुए हैं। कई महिला पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। घायलों का मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) कराया जा रहा है और कुछ पुलिसकर्मियों का परीक्षण अभी जारी है। हिंसक भीड़ ने 15 से 20 सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की। इसके अलावा अन्य सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अब तक करीब 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य संबंधित कानूनों के तहत दंगा, लोक सेवकों पर हमला, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है और हिंसा में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और हिंसा या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री बोले—जम्मू-कश्मीर के अधिकार, सम्मान और राज्य का दर्जा वापस मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा

नई दिल्ली, 20 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन को रोक दिया। उन्होंने कहा कि इससे उनकी पार्टी के अभियान पर कोई असर नहीं पड़ेगा और जम्मू-कश्मीर के अधिकारों तथा राज्य का दर्जा बहाल कराने की लड़ाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में प्रदर्शन के दौरान सामने आई परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संघर्ष अभी केवल शुरुआत है।

उन्होंने लिखा, हमें जंतर-मंतर तक पहुंचने से रोका गया और जो हमारा अधिकार है, उसके लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की भी अनुमति नहीं दी गई। लेकिन हमें चुप नहीं कराया जा सका। यह हमारे राज्य का दर्जा, हमारे अधिकार, हमारे सम्मान और हमसे छीनी गई हर चीज को वापस हासिल करने के संघर्ष की केवल शुरुआत है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा और उसके संवैधानिक अधिकार वापस दिलाने का आंदोलन आगे भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगा।

डोडा में दो अलग-अलग घटनाओं में पत्थर गिरने से यात्री बस और एक घर के चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

डोडा, 20 जुलाई। सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी डोडा ज़िले में दो अलग-अलग घटनाओं में पत्थर गिरने से एक यात्री बस और एक घर की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना में सुबह करीब 9.30

बजे भारी बारिश के बीच जम्मू-किश्तवाड़ नेशनल हाईवे पर रग्गी नाला के पास एक पहाड़ी से पत्थर लुढ़ककर एक यात्री बस से टकरा गया।

उन्होंने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और सात घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां उनमें से एक जिसकी पहचान मनीष कुमार के तौर पर हुई है को मृत घोषित कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि क्षतिग्रस्त गाड़ी से एक अज्ञात व्यक्ति का शव भी बरामद किया गया है और मृतक की पहचान करने की कोशिशें जारी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान हाईवे बंद रहा क्योंकि इलाके में कुछ निजी गाड़ियां भी पत्थरों की चपेट में आ गई थीं। हालांकि गाड़ियों में सवार लोग सुरक्षित बच गए।

एक अन्य घटना में अधिकारियों ने बताया कि ज़िले के काश्तीगढ़ इलाके में अपने घर पर पत्थर लगने से शिव देवी नाम की एक महिला की मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ से हुई दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों के लिए 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की

जम्मू, 20 जुलाई मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजौरी और पुंछ ज़िलों में बारिश से हुई दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों के लिए तत्काल सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और बारिश से संबंधित अन्य घटनाओं में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि कोई भी वित्तीय सहायता प्रभावित परिवारों को हुए अपूरणीय नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती लेकिन सरकार इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। कल पुंछ और राजौरी में आई भीषण बाढ़, भूस्खलन और बारिश से संबंधित अन्य घटनाओं के कारण हुई जानमाल की अपूरणीय क्षति की भरपाई किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता से नहीं की जा सकती फिर भी शोक संतप्त परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए प्रत्येक मृतक के परिजनों को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जा रही है।

उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर के कई जिलों में आई बारिस, बाढ़ और भूस्खलन की समीक्षा की

जम्मू, 20 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद की स्थिति की समीक्षा की। उपराज्यपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात की और प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत और बुनियादी ढांचे की बहाली के निर्देश दिए। एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने कहा कि मैंने आज वरिष्ठ अधिकारियों से बात करके भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के प्रभाव का आकलन किया। डोडा में दो लोगों की मौत से मैं बहुत दुखी हूं और उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना सहित आपातकालीन टीमें संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात हैं और हाई अलर्ट पर हैं।

राज्य का दर्जा बहाल होने से दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के लोगों के बीच विश्वास की कमी दूर होगी : तारीगामी

श्रीनगर, 20 जुलाई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेता और कुलगाम विधायक एम. वाई. तारीगामी ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाना दिल्ली और यहां के लोगों के बीच वर्षों से बने विश्वास के संकट को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए तारीगामी ने कहा, देश के नेतृत्व के लिए अब लोगों का विश्वास बहाल करने का समय आ गया है। राज्य का दर्जा बहाल करना वर्षों और दशकों से पैदा हुए विश्वास के संकट को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग देश की संप्रभुता पर कोई सवाल नहीं उठा रहे हैं, बल्कि वे इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि उनके साथ और उनके अधिकारों के साथ किस तरह का व्यवहार किया जा रहा है। तारीगामी ने कहा, इतिहास हमें सिखाता है कि किसी भी क्षेत्र में स्थायी शांति तभी स्थापित होती है, जब वहां के वास्तविक हितधारकों

यानी उस क्षेत्र के लोगों को साथ लिया जाए, उनसे परामर्श किया जाए और उन्हें विश्वास में लिया जाए। लोगों को अपना मानने का अर्थ है उनके अधिकारों की बहाली के लिए ठोस कदम उठाना।

उन्होंने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल की यह मांग पूरी तरह उचित है। तारीगामी ने कहा, कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि हम केवल राज्य का दर्जा बहाल करने पर ही क्यों ध्यान दे रहे हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मेरी पार्टी सीपीआई(एम) या अन्य दलों ने अपना रुख या एजेंडा नहीं बदला है। हमारा प्रयास इस मुद्दे पर व्यापक सहमति बनाना और भारत सरकार को यह संदेश देना है कि किए गए वादों को पूरा किया जाना चाहिए। आज के विरोध-प्रदर्शन का उद्देश्य केवल भारत सरकार को उसके राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे की याद दिलाना है। कुलगाम विधायक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की विश्वसनीयता और उनकी आकांक्षाओं को कमजोर करने से देश का कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा, लोगों की भावनाओं और आकांक्षाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा किए गए वादों का भी सम्मान होना चाहिए। आखिर आप अपने वादों को पूरा करने में और कितनी देर करेंगे? तारीगामी ने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के दिल्ली में आयोजित विरोध-प्रदर्शन में उनकी पार्टी की ओर से सीपीआई(एम) के महासचिव और जम्मू-कश्मीर राज्य सचिव प्रतिनिधित्व करेंगे।

सोनम वांगचुक की तबीयत पर हेल्थ बुलेटिन जारी, स्वास्थ्य पैरामीटर स्थिर

नई दिल्ली, 20 जुलाई (। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक का इलाज सफदरजंग अस्पताल में जारी है। सोमवार शाम को अस्पताल की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, उनके जरूरी स्वास्थ्य पैरामीटर फिलहाल स्थिर हैं।

डॉक्टरों के अनुसार, उनका ब्लड शुगर स्तर अब भी कम बना हुआ है, लेकिन ओरल रिहाइड्रेशन थेरेपी और पोटैशियम सिरप दिए जाने के बाद खून की अन्य जांचों में सुधार देखा गया है। वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल और ऐम्स, नई दिल्ली के विशेषज्ञों की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की निगरानी में रखा गया है।

चिकित्सक लगातार उनकी क्लिनिकल स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

अस्पताल ने बताया कि हल्के से मध्यम डिहाइड्रेशन से उबरने और किसी भी संभावित जटिलता को समय रहते पहचानने के लिए लगातार निगरानी जरूरी है। उन्हें सभी आवश्यक मेडिकल देखभाल दी जा रही है और आगे का इलाज उनकी स्वास्थ्य स्थिति व समय-समय पर होने वाली जांचों के आधार पर तय किया जाएगा।

देश के पूर्वोत्तर व पश्चिमोत्तर क्षेत्र में अगले 5 दिनों तक मानसून सक्रिय रहने के आसार

नई दिल्ली, 20 जुलाई । देश के पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर हिस्से में अगले 4-5 दिनों के दौरान मानसून के सक्रिय रहने के आसार हैं। जबकि पश्चिम-मध्य और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में मंगलवार सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर भारी बारिश होने के आसार हैं। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31- 33 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 22 जुलाई को सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31-33 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 23 जुलाई को सुबह से दोपहर तक अधिकतर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32-34 डिग्री सेल्सियस और 21- 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है।

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जमवाल ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस परिसर में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

जम्मू, जुलाई 20। आज जम्मू शहर के गुड़ा ब्राह्मणा क्षेत्र स्थित जमवाल ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध न्यासी इंजी. विधि सिंह जमवाल ने निदेशक प्रो. (डॉ.) जगदीश राज धोतरा, पूर्व कृषि निदेशक श्रीमती विनोद बाला शर्मा तथा पूर्व विधायक/विधान परिषद सदस्य एवं इण्डियन कौन्सिल फॉर एनवायरो लीगल एक्शन के संयोजक एवं अधिवक्ता श्री अशोक कुमार शर्मा के साथ मिलकर योगानंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी और इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस के परिसरों में पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर बोलते हुए इंजी. विधि सिंह जमवाल जी ने कहा कि इस कार्यक्रम की शुरुआत एक पेड़ देश के नाम की भावना के साथ की गई है। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया, विशेष रूप से श्रीमती विनोद बाला शर्मा और प्रो. (डॉ.) जगदीश राज धोटरा के प्रति, जो इस संस्थान के इस अभियान के प्रमुख प्रेरणास्रोत रहे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, शारदा लाल एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट, इंडियन काउंसिल फॉर एनवायरो लीगल एक्शन तथा जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के शहरी वानिकी विभाग के सहयोग की सराहना की, जो इस अभियान को सक्रिय समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने संस्थान के समर्पित स्टाफ, विद्यार्थियों, कर्मचारियों तथा विशिष्ट नागरिकों और स्थानीय निवासियों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने रातभर हुई भारी वर्षा और उमस भरी दोपहर के बावजूद पौधारोपण में भाग लिया। उन्होंने बताया कि लगाए गए पौधों में अर्जुन, नीम और आंवला जैसे औषधीय पौधे शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कचनार, गुलमोहर, जैकरैंडा, टेकोमा, कैसिया, अमलतास, कदंब और रेन ट्री जैसे सजावटी एवं छायादार वृक्ष भी लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये वृक्ष केवल शैक्षणिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि सौंदर्यीकरण, छाया प्रदान करने और पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्रीमती विनोद बाला शर्मा ने उपस्थित गणमान्य प्रतिभागियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने और उस जागरूकता को व्यवहार में बदलकर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने जल संरक्षण के उपाय अपनाने तथा विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक सहित हानिकारक पॉलीथीन के उपयोग को समाप्त करने पर भी बल दिया।

भारी बारिश के मद्देनज़र कर्नाह उपमंडल प्रशासन ने एहतियाती कदम तेज किए

घुमंतू परिवारों के लिए एडवाइजरी जारी, संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहने की अपील

कुपवाड़ा, 20 जुलाई। आगामी सप्ताह में लगातार प्रतिकूल मौसम और भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कर्नाह उपमंडल प्रशासन ने लोगों, विशेषकर संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले घुमंतू परिवारों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए व्यापक एहतियाती कदम उठाए हैं।

प्रशासन ने उपमंडल के सभी घुमंतू एवं प्रवासी परिवारों का सर्वेक्षण कर उनकी पहचान कर ली है तथा उन्हें अगले एक सप्ताह तक नालों, जलधाराओं, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों के निकट डेरा न लगाने की सलाह जारी की है। परिवारों से सतर्क रहने, सभी सुरक्षा उपाय अपनाने तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करने की अपील की गई है।

इस बीच, सोमवार रात हुई भारी बारिश के कारण नचियान गांव निवासी कालू चाची के पुत्र अल्ताफ अहमद के घुमंतू परिवार की मौसमी झोपड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही उपमंडल प्रशासन ने तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवार को रसोई किट, तिरपाल और राशन किट उपलब्ध कराई। घटना में मामूली रूप से घायल हुए अल्ताफ अहमद को उपचार के लिए उप-जिला

अस्पताल तंगधार भेजा गया, जहां चिकित्सकीय जांच और आवश्यक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। एसडीएम कर्नाह और एसएचओ कर्नाह ने प्रभावित स्थल का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया तथा वहां रह रहे घुमंतू परिवारों से बातचीत की। प्रशासन ने उन्हें मौजूदा मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने और जारी की गई एडवाइजरी का पालन करने के लिए जागरूक किया। एसडीएम कर्नाह ने बारिश के कारण सीटीसी रोड पर हुए एक छोटे भूस्खलन का भी निरीक्षण किया।

उपायुक्त ने मौजूदा मौसम की स्थिति के मद्देनजर संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

बांदीपोरा, 20 जुलाई(हि.स.)। मौजूदा मौसम और लगातार बारिश को देखते हुए बांदीपोरा की उपायुक्त इंदु कंवल चिब ने सोमवार को जिले भर के संवेदनशील स्थानों का व्यापक निरीक्षण किया ताकि जमीनी स्थिति का आकलन किया जा सके और तैयारियों की समीक्षा की जा सके। इस निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अजास रिसेप्शन स्टेशन, तंगवानी पुल और अरागम पुल का निरीक्षण किया साथ ही मौसम संबंधी घटनाओं के प्रति संवेदनशील अन्य आसपास के क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। डीसी ने खराब मौसम के प्रभाव का जायजा लिया, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की स्थिति का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों को उच्च सतर्कता बरतने और सभी संवेदनशील स्थानों की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनजीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, अंतर-विभागीय समन्वय और तत्काल कार्रवाई पर जोर दिया।डीसी ने अधिकारियों को मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों और मशीनों को तैयार रखने और चौबीसों घंटे निगरानी बनाए रखने का भी निर्देश दिया। जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और उसने जनता से सतर्क रहने, संवेदनशील क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने और समय-समय पर जारी आधिकारिक सलाहों का पालन करने का आग्रह किया है।

आरएस पुरा के वार्ड नंबर 9 में जल निकासी समस्या पर प्रदर्शन

जम्मू,, 20 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के आरएस पुरा कस्बे के वार्ड नंबर 9 के निवासियों ने क्षेत्र में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने के विरोध में नगर पालिका आरएस पुरा के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिससे लोगों को आवागमन और दैनिक जीवन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से जल्द प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने और क्षेत्र की समस्याओं का स्थायी समाधान करने की मांग की।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उनका आंदोलन और तेज किया जाएगा।

26 जुलाई को रिहाड़ी में गुरु हरकृष्ण साहिब जी का प्रकाश पर्व मनाया जाएगा

जम्मू,, 20 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के रिहाड़ी स्थित गुरुद्वारा श्री कलगीधर साहिब में 26 जुलाई को श्री गुरु हरकृष्ण साहिब जी महाराज का प्रकाश पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर सिख नौजवान सेवादार सभा, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और साध संगत के सहयोग से सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक धार्मिक समागम आयोजित होगा जिसमें देशभर से कई प्रमुख रागी जत्थे, कथावाचक और धार्मिक हस्तियां शामिल होंगी।

3.5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के दो कथित नशा तस्करों के मकान और गोशाला ध्वस्त

जम्मू, 20 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार को प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर दो सगे भाइयों, जो कथित रूप से लंबे समय से नशा तस्करी में संलिप्त हैं, के दो आवासीय मकानों और एक गोशाला को ध्वस्त कर दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ध्वस्त किए गए इन निर्माणों की अनुमानित कीमत 3.5 करोड़ रुपये से अधिक है। ये अवैध निर्माण मरहीन तहसील के सप्राल पैन गांव में गुलजार उर्फ दाऊ और उसके भाई फरमान अली द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाए गए थे। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी नशा तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े कई मामलों में नामजद हैं तथा उनके खिलाफ अनेक एफआईआर दर्ज हैं

एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त 25 वाहनों की नीलामी

कठुआ, 20 जुलाई (हि.स.)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किए गए वाहनों की सार्वजनिक नीलामी कर पारदर्शिता का उदाहरण पेश किया है।

जिला पुलिस कठुआ द्वारा सोमवार को जिला पुलिस लाइन कठुआ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 52-ए के तहत जब्त किए गए कुल 25 वाहनों की खुली बोली के माध्यम से नीलामी की गई। यह प्रक्रिया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में सम्पन्न हुई जिसमें डीएसपी डीएआर, डीएसपी मुख्यालय सहित जिला ड्रग डिस्पोजल कमेटी के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। इस पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया से पुलिस को कुल 17,72,600 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। पूरी प्रक्रिया को एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार निष्पादित किया गया जिससे जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

नि.संख्या:- 51,55-2026-27-ADEN-I-ASR& 52,54-2026-27-ADEN-II-ASR& 53-2026-27-ADEN-JUC दिनांक: 14.07.2026

वरिष्ठ मंडल अभियंता-तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि **04.08.2026** समय **15:00** बजे तक, www.ireps.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुली	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**बोली शुरू की तिथि**	**बोली समापन की तिथि तथा समय**
13.07.2026 & 14.07.2026	21.07.2026	04.08.2026/15:00 Hrs.

क्र.सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण			
1.	51-2026-27-ADEN-I-ASR	सहायक मंडल अभियंता–प्रथम/अमृतसर के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभागीय अभियंता/कार्य/वलसाड/अमृतसर के वेरका–डेरा बाबा नानक सेक्शन में LHS/RUB से पानी निकालने का काम।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	**ब्याना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**	
	34,99,998.05	70,000.00	60 दिन	06 महीने	
	समान प्रकृति का कार्य:- "कोई कार्य नहीं।"				
2.	52-2026-27-ADEN-II-ASR	सहायक मंडल अभियंता–द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभागीय अभियंता/कार्य/ब्यास के ब्यास–तरनतारन सेक्शन में LHS/RUB से पानी निकालने का काम।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	**ब्याना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**	
	44,99,996.82	90,000.00	60 दिन	06 महीने	
	समान प्रकृति का कार्य:- "कोई कार्य नहीं।"				
3.	53-2026-27-ADEN-JUC	सहायक मंडल अभियंता–जालंधर शहर के अंतर्गत LHS/RUB से पानी निकालने का काम।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	**ब्याना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**	
	19,99,997.61	40,000.00	60 दिन	06 महीने	
	समान प्रकृति का कार्य:- "कोई कार्य नहीं।"				
4.	54-2026-27-ADEN-II-ASR	सहायक मंडल अभियंता–द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभागीय अभियंता/कार्य/वलसाड/अमृतसर के अमृतसर–खेमकरण सेक्शन में LHS/RUB से पानी निकालने का काम।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	**ब्याना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**	
	39,99,999.67	80,000.00	60 दिन	06 महीने	
	समान प्रकृति का कार्य:- "कोई कार्य नहीं।"				
5.	55-2026-27-ADEN-I-ASR	सहायक मंडल अभियंता–प्रथम/अमृतसर के अंतर्गत अमृतसर–बटाला–कादियान और अमृतसर–अटारी श्याम सिंह सेक्शन में LHS/RUB से पानी निकालने का काम।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	**ब्याना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**	
	34,99,998.27	70,000.00	60 दिन	06 महीने	
	समान प्रकृति का कार्य:- "कोई कार्य नहीं।"				

नोट: 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे। **2451/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कई दिनों की दहशत के बाद एनआईएफटी बडगाम में ज़िंदा पकड़ा गया तेंदुआ

बडगाम, 20 जुलाई (हि.स.)। बडगाम शहर के ओमपोरा और आस-पास के इलाकों में घूम रहे एक तेंदुए को सोमवार को वाइल्डलाइफ डिपार्टमेंट ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी परिसर में ज़िंदा पकड़ लिया जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

एक अधिकारी ने बताया कि इस जंगली जानवर ने पिछले कुछ दिनों से इलाके में दहशत फैला रखी थी और ओमपोरा व आस-पास के इलाकों में कई बार उसे देखे जाने की खबरें मिली थीं। उन्होंने कहा कि वाइल्डलाइफ डिपार्टमेंट ने तेंदुए को पकड़ने के लिए कई संवेदनशील जगहों पर जाल लगाए थे और एनआईएफटी परिसर में लगाए गए जालों में से एक में जानवर सफलतापूर्वक ज़िंदा पकड़ा गया।

Government of Jammu and Kashmir
Higher Education Department
Civil Secretariat, J&K
**

Subject: Appointment of Assistant Professors (Computer Science & IT), in Higher Education Department (UIET, Janglote, Kathua-Constituent College of the University of Jammu).

Ref'nce: 1. Letter No. PSC/DR- No. PSC/DR-HE/AP/ Comp. Sc. & IT/2023 Dated 18-02-2026 (Recommendations) from the Secretary, J&K Public Service Commission.
2. Government Order No. 335-JK(HE) of 2024 dated 11.06.2024 issued by Higher Education Department.

Government Order No: 202-JK(HE) of 2026
Dated: 06 -07-2026

As recommended by the J&K Public Service Commission, sanction is hereby accorded to the appointment of following candidates as Assistant Professors (Computer Science & IT), in Higher Education Department (UIET, Janglote, Kathua—Constituent College of the University of Jammu), on Regular Temporary basis in the Pay Band of Rs. 15600-39100 with AGP of Rs. 6000/- (Pre-revised) Academic Level-10 with Pay Structure of Rs. 57700/-, with immediate effect:-

S. No.	Name Mr./ Ms.	Parentage	Address	Selection Category
01.	Muneeb Ahmed	Ghulam Mohammad Pandith	Pandith Lane Wadura Bala Sopore	OM
02.	Riaz Ahmed Khan	Khurshid Ahmed Khan	141 Shagan Near Ups Hingni Shagan Khari	RBA

The candidates shall report to the **Registrar, University of Jammu (UIET, Janglote, Kathua)** within a period of 21 days from the date of issuance of this order failing which their appointment shall be deemed to have been cancelled without any notice.

The appointment of candidates shall be subject to the following conditions:-

1. The appointees will be on Probation for a period of Two Years from the date of joining.
2. The appointment of the candidates shall be governed by the "New Pension Scheme" as per SRO-400 of 2009 dated 24-12-2009.
3. The appointees shall at the time of joining, produce the following testimonials in original which will be verified by the Head of the institution:-

a. Domicile Certificate.
b. Date of Birth Certificate.
c. Qualification and Marks Certificate i.e. NET/SLET/Ph.D. etc and Marks cards/Degrees.
d. Category certificate as may be applicable.
e. Health and Medical Certificate.
f. Any other certificate required under law.

The salary of the appointees shall be drawn and disbursed only after the satisfactory report in respect of genuineness fo the qualifications/ date of birth/ relevant category certificate and subject to production of an affidavit prescribed as Annexure-A to this Order.
The inter-se seniority of the selected candidates shall be determined in accordance with the Jammu and Kashmir Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1956.
The appointment of the candidates shall remain provisional till such time the certificates are got verified by by the concerned Head of Institution and are found to be order.
In case any certificate is found to be fake, inadequate, or inconsistent with the eligibility requirements, the appointment of the candidate shall be deemed to have been cancelled. ab-initio
The appointment fo the candidatges shall be subject to the outcome of any Writ Petition(s), if any, pending before a competent court of law on the subject

By Order of the Government of Jammu and Kashmir

Sd/-
(Ram Niwas Sharma), IAS
Commissioner/Secretary to the Government

DIP/J-6174/26
Dtd:20-7-2026

Annexure-A to Government Order No.: 202-JK(HE) of 2026
Dated: 06-07-2026

AFFIDAVIT

I, _____,S/o, D/o _____,
R/o _____, do hereby solemnly declare on the oath that
(a). My name has been recommended by the Jammu and Kashmir Public Service Commission (JKPSC) for appointment as Assistant Professor Computer Science and IT, in the UIET, Jaglote, Kathua, University of Jammu.
(b). I understand that the verification report in respect of the qualification/ date of birth/ Reserved category certificate has not been furnishede by the concerned verifying agency in my cases authority.
I, Therefore undertake that in the event of permitted me to join, pending receipt of the verification report, in respect of the qualification/ Date of Birth/ reserved category certificate, I shall have no claim for the post in the event ofamy being adversely resported upon by the verification agency found no be genuine.

Deponent

Verification
The contents of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therein

DEPONENT

एसडीआरएफ ने खराब मौसम के बीच बचाव अभियान चलाया और जन सुरक्षा जागरूकता अभियान को किया तेज़

जम्मू, 20 जुलाई (हि.स.)। सुबह एसडीआरएफ को डोडा ज़िले के असर-बग्गर इलाके में रिग्गी नाला के पास एक सड़क हादसे की सूचना मिली। जम्मू से डोडा जा रही एक यात्री बस और मारुति अर्टिगा (जिनके रजिस्ट्रेशन नंबर क्रमश जेके02बीए 487 और जेके 17 ए-8883 थे) के साथ-साथ कुछ अन्य वाहन भी इस घटना की चपेट में आ गए। लगातार बारिश और पहाड़ी ढलानों के अस्थिर होने के कारण अचानक चट्टानें गिरने से यह हादसा हुआ।

एस डी आर एफ के अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही डोडा यूनिट की एसडीआरएफ बचाव टीम को तुरंत घटना स्थल के लिए रवाना किया गया। वहाँ पहुँचकर टीम ने ज़िला प्रशासन, पुलिस, अन्य संबंधित विभागों और स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर तुरंत बचाव और राहत कार्य शुरू किए।

एसडीआरएफ कर्मियों ने फँसे हुए यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की और छ घायलों को सुरक्षित निकालकर जीएमसी डोडा पहुँचाया और वाहनों से दो

शव बरामद किए। खराब मौसम के बावजूद एसडीआरएफ टीम ने ज़रूरी बचाव और राहत कार्य किए।

इसके अलावा मॉनसून के मौसम में मौजूदा हालात को देखते हुए एसडीआरएफ ने जन सुरक्षा जागरूकता अभियान को और तेज़ कर दिया है। आपातकालीन स्थिति में मदद करने के साथ-साथ एसडीआरएफ की दूसरी बटालियन (जम्मू) और एसडीआरएफ /सिविल डिफेंस यूनिट उधमपुर मॉनसून के मौसम और भारत मौसम विज्ञान विभाग की मौसम संबंधी चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए जन जागरूकता अभियान भी चला रही हैं।

जागरूकता अभियान में आम जनता और श्री अमरनाथ जी यात्रा के तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और भारी बारिश के दौरान जोखिम वाले इलाकों में अनावश्यक यात्रा करने से बचें। नागरिकों को विशेष रूप से सलाह दी है कि वे नदियों, नालों, झरनों, झीलों, ड्रेन्स या पानी के अन्य स्रोतों के पास न जाएँ क्योंकि जल स्तर अचानक बढ़ सकता है जिससे जान को गंभीर खतरा हो सकता है।

संपादकीय

सर्वसम्मति बनाना अधिक महत्वपूर्ण

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में दिल्ली में किया गया शांतिपूर्ण प्रदर्शन एक बार फिर इस क्षेत्र के राजनीतिक भविष्य के महत्वपूर्ण मुद्दे को केंद्र में ले आया है। अपने रुख को स्पष्ट करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस ने दोहराया है कि राज्य का दर्जा बहाल होने से शासन व्यवस्था मजबूत होगी और जवाबदेही बढ़ेगी, जो किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की मूल आवश्यकताएं हैं।

यह समझना आवश्यक है कि राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व, प्रभावी शासन और लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है। इसमें कोई संदेह नहीं कि 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में व्यापक परिवर्तन हुए हैं और जिन प्रमुख उद्देश्यों के लिए तत्कालीन राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, उनमें से कई लक्ष्य अब पूरे हो चुके हैं।

ऐसे में सत्ता में बैठे लोगों के लिए जम्मू-कश्मीर को पुनः राज्य का दर्जा देने के निर्णय पर विचार करने का अवसर है।

हालांकि यह एक संवेदनशील विषय है और इस पर अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है, क्योंकि यह देश के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के भविष्य से जुड़ा हुआ है। चूंकि केंद्र सरकार ने कभी भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को पूरी तरह अस्वीकार नहीं किया है, इसलिए इस मुद्दे को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

यह इस बात पर विचार करने का अवसर है कि शासन व्यवस्था को किस प्रकार अधिक उत्तरदायी, जवाबदेह और लोगों के निकट बनाया जा सकता है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस प्रदर्शन को एक प्रतीकात्मक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए और केंद्र तथा जम्मू-कश्मीर सरकार को एक साथ बैठकर इस विषय पर सर्वसम्मति बनाने का प्रयास करना चाहिए।

यह भी आवश्यक है कि इस संवाद प्रक्रिया में अन्य राजनीतिक दलों को भी शामिल किया जाए, क्योंकि केवल राज्य का दर्जा बहाल करने का बार-बार आश्वासन देना, बिना किसी स्पष्ट रोडमैप या समय-सीमा के, उचित नहीं माना जा सकता।

केंद्र सरकार के लिए यह जरूरी है कि वह इस विषय पर एक ठोस और स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करे। इससे न केवल नागरिकों का विश्वास मजबूत होगा, बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोगों और देश के अन्य हिस्सों के बीच संबंध भी और अधिक सुदृढ़ होंगे।

अन्य राजनीतिक गतिरोधों की तरह इस मामले में भी संवाद, आपसी विश्वास और संतुलित दृष्टिकोण अपनाकर समाधान का रास्ता निकाला जा सकता है। इसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के हित में वर्तमान गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से समाप्त करना होना चाहिए।

अंततः लक्ष्य यही होना चाहिए कि सभी संबंधित पक्ष साथ मिलकर आगे बढ़ें और जम्मू-कश्मीर में स्थिरता, विकास तथा विश्वास का ऐसा वातावरण तैयार करें, जिससे क्षेत्र के लोगों का भविष्य अधिक सुरक्षित और समृद्ध बन सके।

इस महत्वपूर्ण विषय को किसी भी राजनीतिक दल को केवल राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के अवसर के रूप में नहीं देखना चाहिए, क्योंकि यह मुद्दा जम्मू-कश्मीर के भविष्य, लोकतांत्रिक व्यवस्था और लोगों की आकांक्षाओं से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

भारत-यूके सीईटीए- वादों को साकार करने का कदम

श्री राजेश अग्रवाल

यूनाइटेड किंगडम के साथ भारत का 'व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए)'भारत के विदेशी व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। जहां पिछले कम से कम दो दशकों से भारत का आर्थिक एकीकरण पूर्वी एशियाई देशों के साथ जुड़ा हुआ था, वहीं यूनाइटेड किंगडम 1970 के दशक से ही यूरोपीय आर्थिक एकीकरण का हिस्सा रहा है। दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं के लिए, सीईटीएएक बहुत बड़े बदलाव और अपनी बाहरी आर्थिक साझेदारियों में विविधता लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। जुलाई 2025 में हस्ताक्षर हो जाने जाने के बाद, सभी घरेलू कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करके सीईटीए 15 जुलाई 2026 को लागू हुआ।यह बातचीत से लेकर इसके लागू होने तक की संपूर्ण यात्रा को दर्शाता है। यह उत्सव मनाने की घड़ी और दोनों देशों के लिए अपने लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने का अवसर भी है।

सीईटीएभारत के मैन्यूफैक्चरिंग आधार, सेवा क्षेत्र की मजबूती और वैश्विकस्तर पर हमारे कुशल श्रमशक्ति की मांग में भरोसे को दर्शाता है।इस समझौते की खूबी यह है कि इसमें श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए बाजार की सुलभता, सेवाओं की आवाजाही और आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों को शामिल करने पर जोर दिया गया है।सीईटीएभरसक व्यापक है और यह भारत के नई पीढ़ी के व्यापार समझौतों के लिए एक आदर्शनमूना है।

इस समझौते का महत्व इसके पैमाने और संतुलन में भी निहित है।भारत और यूनाइटेड किंगडमके बीच आपसी व्यापार पहले ही लगभग 56 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचचुका है और दोनों देशों ने 2030 तक अपने व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।यह समझौता उस लक्ष्य को अपेक्षाकृत अधिक निश्चितता और सटीक पूर्वानुमान के साथ हासिल करने का ढांचा देने के साथ-साथ 'भारत-यूनाइटेड किंगडम रोडमैप 2030'की व्यापक रणनीतिक दिशा को भी दर्शाता है।यह समझौता उस विजन को साकार करनेकी दिशा में एक अहम कदम है और इसका असर समय के साथ दिखाई देगा।

इस समझौते की एक मुख्य विशेषता भारतीय निर्यातों के लिए बाजार की सुलभता सुनिश्चित करना है।भारतीय सामानों को यूनाइटेड किंगडममें लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच (ड्यूटी-फ्री एक्सेस) मिलेगा, जिसमें व्यापार मूल्य का लगभग शत-प्रतिशत हिस्सा शामिल होगा।इससे वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा एवं फुटवियर, समुद्री उत्पाद, खेल का सामान, रत्न एवं आभूषण, खिलौने और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ (प्रोसेस्ड फूड) जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रोंमेंप्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी।इन क्षेत्रों का अनुमानित मूल्य लगभग 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत के पास बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, कौशल तथानिर्यात करने की काबिलियत हैऔर जहांबाजारकी सुलभता सीधे तौर पर नौकरियों एवंअधिक आमदनी के अवसरों में बदल सकती है। यूनाइटेड किंगडमके परिधानोंएवंघरेलूवस्त्र बाजार में 6.8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ एक बड़े आपूर्तिकर्ता के तौर पर, सीईटीए से भारत के वस्त्रएवं परिधान उद्योग को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। इससे चीन, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई आपूर्तिकर्ता देशों के साथ भारत के अंतर को पाटने में भी मदद मिलेगी।इससे भारत को यूनाइटेड किंगडमके 8.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के चमड़ाएवं फुटवियर बाजार में निर्यात करने का एक बड़ा मौका भी मिलेगा।यह समझौता सिर्फ टैरिफ में राहत से ही नहीं, बल्कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छोटे व्यवसायों, कारीगरों और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए अधिक नौकरियां तथा बाजार के अवसर सृजित करने से भीजुड़ा है।

यह समझौता खेती, मछली पालन (खासकर फ्रोजन झींगे तथा प्रॉन) और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े निर्यात के लिए भी नई संभावनाएं खोलता है।साथ ही, इस समझौते को भारत के संवेदनशील क्षेत्रों - जैसे कि डेयरी, सेब, अनाज और खाद्य तेल - की सुरक्षा को ध्यान में रखकरबेहद सावधानी से तैयार किया गया है।इनमें से कुछ संवेदनशील उत्पादों को या तो बाहर रखा गया है या टैरिफ रेट कोटा या फिर चरणबद्ध उदारीकरण के जरिए सुरक्षित किया गया है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था तेजी से सेवा-आधारित होती जा रही हैऔर दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं को इसमें तुलनात्मक रूप से ठोसफायदे हासिल हैं। सीईटीए में भारत के निर्यातकीदृष्टि से अहम सभी बड़े सेवा क्षेत्र और 137 उप-क्षेत्रशामिल हैं।इनमें आईटीएवंआईटी-आधारित सेवाएं,वित्तीयएवं पेशेवर सेवाएं, व्यवसाय संबंधी परामर्श (बिजनेस कंसल्टिंग), शिक्षा, दूरसंचार, आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग शामिल हैं। इस समझौते में नई वित्तीय सेवाएं देने और फिनटेक, रेगटेक एवं वित्तीय क्षेत्र में विविधता से संबंधित सहयोग से जुड़ी प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं।

भारत और यूनाइटेड किंगडमके बीच यह नया आर्थिक गलियारा मुख्य रूप से पेशेवरों की आवाजाही (प्रोफेशनल मोबिलिटी)से संबंधित है। सीईटीएअनुबंध-आधारित सेवा प्रदाताओं, व्यवसाय के लिए आने वाले लोगों, एक ही कंपनी के भीतरस्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों और स्वतंत्र पेशेवरों के लिए आसान रास्तों का प्रावधान करताहै। सीईटीएव्यावसायिक योग्यताओं को आपसी सहमति से मान्यता देने का एक ऐसा ढांचा भी तैयार करता है, जिसमें आपसी हित वाली व्यावसायिकसेवाओं की पहचान करने और ऐसे समझौतों को पूरा करने की एक स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है। सीईटीएभारत के सांस्कृतिक तथापेशेवर प्रतिभाओं को भी मान्यता देता है और 1,800 भारतीय शेफ, योग प्रशिक्षकों और शास्त्रीय संगीतकारों के लिए हर वर्ष मौके प्रदान करेगा। इससे स्पष्ट होता है कि आवाजाही का मतलब सिर्फ कुछ खास पेशेवरों की ही आवाजाही नहीं है, बल्कि इसका संबंध उन श्रेणी की प्रतिभाओं से भी है जिनमें भारत के पास यूनाइटेड किंगडमको प्रदान करने के लिए कुछ खास है।

भारतीय पेशेवरों के लिए एक और अहम फायदादोहरी अंशदान संधि(डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन)है, जो सीईटीए के साथ ही लागू हुई। इससे भारतीय कर्मचारियों और उनके नियोक्ताओं को यूनाइटेड किंगडममें पांच वर्ष तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान (सोशल सिक्योरिटी कंट्रीब्यूशन) करने से छूट मिलेगी। वार्षिकरूप से लगभग 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का यह सामाजिक सुरक्षा अंशदान उन भारतीय पेशेवरों के लिए एक तरह का 'संक कॉस्ट' यानी वापस नहीं मिलने वाला खर्च था, जो यूनाइटेड किंगडममें कम समय या अस्थायी काम के लिए तो जाते थे, लेकिन पेंशन या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों को पाने के लिए जरूरी समय तक वहां नहीं रुक पाते थे। लगभग 75,000 भारतीय पेशेवरों और उनके नियोक्ताओं के लिए यह एक बड़ी राहत है।

कोई भी आधुनिक 'मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)'सामानोंएवं सेवाओं तक बाजार की पहुंच के पारंपरिक दायरे से आगे बढ़कर सहयोग के नए क्षेत्रों को शामिल करेगा। सीईटीएने सरकारी खरीद, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और व्यापार तथापर्यावरण, श्रम, लैंगिक समानताएवं भ्रष्टाचार-रोधी उपाय जैसे सतत विकास से जुड़े विषयों में संतुलित नियम अपनाए हैं। ये आधुनिक व्यापार समझौतों के नए आयाम हैं। सरकारी खरीद के मामले में, सीईटीएने 'सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति आदेश'के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्राथमिकता देने की भारत की नीतिगत गुंजाइश को बनाए रखा है। इसके अलावाजहां यूनाइटेड किंगडम के आपूर्तिकर्ता 'श्रेणी-ढ्ढ' केस्थानीय आपूर्तिकर्ता के तौर पर हिस्सा लेने के पात्र होंगे,वहीं भारतीय आपूर्तिकर्ताओं को 'श्रेणी-ढ्ढ' केस्थानीय आपूर्तिकर्ता के तौर पर प्राथमिकता मिलती रहेगी। इसी तरह, भारत ने आईपीआरसे संबंधित अध्याय पर व्यापक बातचीत की है।साथ ही, जरूरत पड़ने पर अनिवार्य लाइसेंस देने या अन्य लचीले प्रावधानों का उपयोग करने का अधिकार भी पूरी तरह अपने पास सुरक्षित रखा है।

इस समझौते का व्यापक महत्व भारत के 'विकसित भारत 2047'के विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। दोनों साझेदारों के सामने अब विविधक्षेत्रों में किए गए वादों को लागू करने की चुनौती है। सीईटीए के लागू होने के साथ, भारत और यूनाइटेड किंगडमके पास आने वाले दशकों में एक ठोस, रचनात्मकएवंजन-केन्द्रितसाझेदारी बनाने का एक दुर्लभ मौका है।

(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

***

भारतीय मजदूर संघ- श्रमिक चेतना का राष्ट्रवादी अध्याय

विपिन बिहारी पाठक

यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी के श्रम-दर्शन का सार है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वर्ग संघर्ष की संकीर्ण सोच से निकालकर राष्ट्रनिर्माण की व्यापक अवधारणा से जोड़ा। यही कारण है कि आज भी भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) केवल एक ट्रेड यूनियन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, श्रमिकहित और उद्योगहित के संतुलन का एक विशिष्ट मॉडल माना जाता है।स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत वैचारिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा था। विश्व का बड़ा हिस्सा साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित था और भारतीय श्रमिक आंदोलन पर भी वामपंथी संगठनों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता था। उस समय श्रमिक आंदोलनों में 'वर्ग संघर्ष' की अवधारणा प्रमुख थी। दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इस सोच को भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं माना। उनका विश्वास था कि श्रमिक, उद्योग और समाज एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही राष्ट्रीय परिवार के पूरक अंग हैं। इसलिए संघर्ष नहीं, सहयोग ही स्थायी विकास का मार्ग हो सकता है। इसी विचार को व्यवहार में उतारने के लिए 23 जुलाई 1955 को, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के दिन, भोपाल में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना हुई। इसकी शुरुआत अत्यंत साधारण परिस्थितियों में हुई। न कोई बड़ा संगठन, न सदस्यता, न कार्यालय और न ही आर्थिक संसाधन। केवल 35 कार्यकर्ताओं के साथ प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठनों में गिना जाता है। दत्तोपंत ठेंगड़ी का जन्म 10 नवंबर 1920 को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के अरवी में हुआ। छात्र जीवन से ही उनमें राष्ट्र और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता थी। आगे चलकर वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने और संगठन निर्माण को अपना जीवन समर्पित कर दिया। भारतीय मजदूर संघ के अतिरिक्त उन्होंने भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच और सामाजिक समरसता मंच जैसे अनेक संगठनों की स्थापना की। उल्लेखनीय है कि उन्हें पद्मभूषण सम्मान की घोषणा भी हुई, किंतु उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। ठेंगड़ी जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने श्रमिक आंदोलन को राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा से अलग रखने का प्रयास किया। उनका मानना था कि ट्रेड यूनियन का मूल उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी राजनीतिक दल का विस्तार बनना। यही कारण है कि भारतीय मजदूर संघ ने स्वयं को दलगत राजनीति से अलग रखते हुए श्रमिकों के संगठन के रूप में विकसित किया। बीएमएस की वैचारिक पृष्ठभूमि भारतीय संस्कृति और एकात्म मानववाद पर आधारित है। यह मानती है कि जीवन में विविधता अवश्य है, किंतु उसके मूल में एकता निहित है। इसलिए श्रमिक और उद्योगपति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास यात्रा के सहभागी हैं। यदि दोनों के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बने तो उत्पादन भी बढ़ेगा और श्रमिकों का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा। इसी सोच से प्रेरित होकर दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अधिकतम उत्पादन और समान वितरण का सिद्धांत दिया। उन्होंने पूंजीवाद की केवल उत्पादन-केंद्रित सोच और समाजवाद की केवल वितरण-केंद्रित सोच के स्थान पर संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि अधिक उत्पादन राष्ट्र का कर्तव्य है और उत्पादन के लाभ का न्यायपूर्ण वितरण श्रमिक का अधिकार। भारतीय मजदूर संघ का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य—'हम राष्ट्रहित में काम करेंगे और पूर्ण वेतन की मांग करेंगे'—आज भी श्रम और राष्ट्र के बीच संतुलन का संदेश देता है। यह नारा बताता है कि श्रमिक का संघर्ष केवल अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि के लिए भी होना चाहिए। दत्तोपंत ठेंगड़ी ने श्रमिक आंदोलन में राष्ट्रवादी नारों की भी नई परंपरा विकसित की। उन्होंने उस दौर के अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारी नारों के स्थान पर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विचार प्रस्तुत किए। श्रम का राष्ट्रीयकरण, उद्योग का श्रमिकीकरण और राष्ट्र का औद्योगीकरण का उनका संदेश श्रमिक को केवल मजदूर नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में स्थापित करता है। बीएमएस ने औद्योगिक परिवार की अवधारणा भी दी, जिसमें श्रमिक, प्रबंधन और समाज तीनों को विकास की साझी इकाई माना गया। ठेंगड़ी जी ने स्व-रोजगार और पारंपरिक कारीगरों के महत्व को भी समय रहते पहचान लिया था। उन्होंने सुनार, लोहार, कुम्हार, दर्जी, नाई, धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसायों को विश्वकर्मा क्षेत्र की संज्ञा दी और इसे जनता का क्षेत्र बताया। यह दृष्टि आज आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और कौशल विकास जैसे अभियानों के संदर्भ में और भी प्रासंगिक प्रतीत होती है। दत्तोपंत ठेंगड़ी केवल संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि गंभीर चिंतक और विपुल लेखक भी थे। उन्होंने हिंदी, अंग्रेज़ी और मराठी में अनेक पुस्तकों के माध्यम से श्रम, अर्थनीति, स्वदेशी और राष्ट्रवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

(लेखक, भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश के मंत्री हैं।)

मानसून नहीं, शहरों की व्यवस्था समस्या है!

दिल्ली-एनसीआर में हाल ही में हुई सड़क धंसने की घटनाएं इसी उपेक्षा का परिणाम हैं। सड़कें किसी एक बारिश से नहीं धंसतीं। ऐसी घटनाएं आमतौर पर वर्षों से पाइपलाइन रिसाव, ठीक से न दबाई गई मिट्टी, पुराने उपयोगिता नेटवर्क, अपर्याप्त जल निकासी या बार-बार खुदाई के बाद उचित पुनर्स्थापन न होने के कारण सतह के नीच मा होती कमजोरियों का परिणाम होती हैं।हर मानसून में भारत के शहर एक जैसी कहानी दोहराते हैं। तेज़ बारिश की पहली बौछार पड़ते ही सड़कें पानी में डूब जाती हैं, लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं, वाहन खराब हो जाते हैं और सोशल मीडिया जलमग्न सड़कों, उफनती नालियों तथा धंसती सड़कों की तस्वीरों से भर जाता है। पानी उतरने के बाद सरकारें जांच के आदेश देती हैं, संबंधित एजेंसियां सुधार के वादे करती हैं और अस्थायी मरम्मत शुरू हो जाती है, लेकिन अगले मानसून तक वही स्थिति फिर सामने आ जाती है।हाल ही में दिल्ली-एनसीआर (नेशनल केपिटल रीजन) में हुई भारी वर्षा ने एक बार फिर भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। दिल्ली में प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ और अनेक रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। गुरुग्राम- जो वर्षों से मानसून के दौरान जलभराव के लिए कुख्यात रहा है-में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस वे, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, हीरो होंडा चौक और सोहना रोड जैसे प्रमुख मार्ग पानी में डूब गए, जिससे देश के प्रमुख कॉर्पोरेट केंद्रों में से एक लगभग ठहर गया।नोएडा में अंडरपास जलमग्न हो गए, नालियां उफनने लगीं और भीषण जाम लग गया। वहीं गाज़ियाबाद और फरीदाबाद में कई कॉलोनियां पानी में डूब गईं, सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं और लोगों की आवाजाही बुरी तरह बाधित हुई। एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश के बाद सड़कें धंस गईं, जिसने केवल निर्माण की खामियों को ही नहीं, बल्कि शहरी नियोजन, इंजीनियरिंग और रखरखाव की गहरी संरचनात्मक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया।ये बार-बार होने वाली विफलताएं केवल असामान्य रूप से अधिक वर्षा का परिणाम नहीं हैं। ये इस बात के संकेत हैं कि भारतीय शहरों की योजना, शासन व्यवस्था, वित्तपोषण और रखरखाव की पूरी प्रणाली में गंभीर संरचनात्मक कमियां मौजूद हैं। अब बहस इस बात पर नहीं रह गई है कि जलवायु परिवर्तन अत्यधिक वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ा रहा है या नहीं- यह निर्विवाद सत्य है। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हमारे शहर इस नई जलवायु वास्तविकता के अनुरूप स्वयं को पर्याप्त गति से ढाल पा रहे हैं?

उपलब्ध साक्ष्य बताते हैं कि ऐसा नहीं हो रहा है।भारत के अधिकांश शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण उन ऐतिहासिक वर्षा पैटर्न के आधार पर किया गया था, जो आज की जलवायु परिस्थितियों से मेल नहीं खाते। दूसरी ओर, तीव्र शहरीकरण ने मिट्टी और हरित क्षेत्रों की जगह कांक्रीट बिछा दिया है, जिससे भूजल का पुनर्भरण कम हुआ है और वर्षा जल का बहाव कई गुना बढ़ गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में झीलें, आर्द्रभूमियां, गांवों के तालाब और प्राकृतिक जल-निकासी मार्ग या तो अंधाधुंध शहरी विस्तार की भेंट चढ़ गए हैं या फिर इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं कि वे अपना प्राकृतिक कार्य नहीं कर पा रहे हैं। जो पानी पहले प्राकृतिक रूप से बाढ़ क्षेत्रों में फैल जाता था, वह अब घनी आबादी वाले कांक्रीट के जंगलों में फंस जाता है। नतीजा स्पष्ट है- जब भारी बारिश होती है तो पानी के निकलने के लिए कोई जगह नहीं बचती। फिर भी केवल जलवायु परिवर्तन यह नहीं समझा सकता कि हर वर्ष वही दृश्य क्यों दोहराए जाते हैं। इसके लिए शासन व्यवस्था की विफलताएं भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।एनसीआर संस्थागत विखंडन का एक स्पष्ट उदाहरण है। केवल दिल्ली में ही नगर निगम, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली जल बोर्ड, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) तथा कई अन्य एजेंसियां शहरी बुनियादी ढांचे के अलग-अलग हिस्सों की जिम्मेदारी संभालती हैं। दिल्ली के बाहर गुरुग्राम, नोएडा, गाज़ियाबाद और फरीदाबाद अलग-अलग नगर निकायों, विकास प्राधिकरणों और राज्य सरकारों के विभागों द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन वर्षा का पानी प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानता।इसके परिणाम हर जगह दिखाई देते हैं। सड़कों का पुनर्निर्माण भूमिगत उपयोगिताओं के साथ समन्वय किए बिना कर दिया जाता है। नालियां आगे के बड़े जल निकासी नेटवर्क से जुड़े बिना ही समाप्त हो जाती हैं। बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं व्यापक जल-विज्ञान (हाइड्रोलॉजी) अध्ययन के बिना शुरू कर दी जाती हैं। रखरखाव की जिम्मेदारियां कई एजेंसियों में बंटी होने के कारण बाढ़ आने पर जवाबदेही भी बिखर जाती है।भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की सबसे कमजोर कड़ी उसका रखरखाव है। राजनीतिक प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से एक्सप्रेस वे, फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार और स्मार्ट सिटी जैसी दिखाई देने वाली परियोजनाओं पर केंद्रित रहती हैं। इसके विपरीत मानसून से पहले नालों की सफाई, रिटेनिंग वॉल की जांच, पुलियों की मरम्मत, भूमिगत उपयोगिताओं का मानचित्रण और पुराने हो चुके बुनियादी ढांचे की नियमित निगरानी जैसे कम आकर्षक लेकिन अत्यंत आवश्यक कार्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता।दिल्ली-एनसीआर में हाल ही में हुई सड़क धंसने की घटनाएं इसी उपेक्षा का परिणाम हैं। सड़कें किसी एक बारिश से नहीं धंसतीं। ऐसी घटनाएं आमतौर पर वर्षों से पाइपलाइन रिसाव, ठीक से न दबाई गई मिट्टी, पुराने उपयोगिता नेटवर्क, अपर्याप्त जल निकासी या बार-बार खुदाई के बाद उचित पुनर्स्थापन न होने के कारण सतह के नीचे जमा होती कमजोरियों का परिणाम होती हैं। भारी बारिश केवल उन कमजोरियों को उजागर कर देती है जो लंबे समय से विकसित होती रही हैं। इसलिए %जलवायु अनुकूलता' (क्लाइमेट रेज़िलिएंस) को केवल पर्यावरणीय चिंता के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसे शहरी बुनियादी ढांचे की योजना का केंद्रीय सिद्धांत बनाना होगा। राजनीतिइस परिवर्तन में प्रकृति-आधारित समाधानों को कहीं अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। पुनर्जीवित आर्द्रभूमियां, शहरी वन, पानी सोखने वाले फुटपाथ, बायोस्वेल, वर्षा उद्यान, विकेंद्रीकृत वर्षा-जल संचयन प्रणाली और संरक्षित शहरी झीलें वर्षा-जल के बहाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं तथा भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दे सकती हैं। गुरुग्राम के लुप्त होते प्राकृतिक नाले और दिल्ली की सिकुड़ती आर्द्रभूमियां इस बात का प्रमाण हैं कि पारिस्थितिक बुनियादी ढांचे की उपेक्षा अंततः इंजीनियरिंग आधारित ढांचे को भी कमजोर कर देती है।नागरिकों को यह प्रश्न पूछने का भी अधिकार है कि सार्वजनिक निवेश वास्तव में कितनी स्थायी सुरक्षा प्रदान कर रहा है। एनसीआर मंत हर वर्ष करदाताओं के करोड़ों रुपये सुरंगों, अंडरपासों और प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर खर्च किए जाते हैं, लेकिन सामान्य से थोड़ी अधिक वर्षा होते ही इनमें से अनेक संरचनाएं जलमग्न हो जाती हैं—चाहे वह प्रगति मैदान सुरंग हो या क्षेत्र के अनेक अंडरपास। इससे एक बड़ा सवाल उठता है—क्या हमारी सड़कें केवल वाहनों की आवाजाही के लिए बनाई जा रही हैं, या उन्हें उन जलवायु परिस्थितियों में भी सुचारु रूप से कार्य करने योग्य बनाया जा रहा है जिनका उन्हें सामना करना है?जैसे-जैसे जलवायु की चरम स्थितियां सामान्य होती जा रही हैं, भारत के शहरों के सामने एक निर्णायक विकल्प है। वे हर मानसून को एक अप्रत्याशित आपदा मानते हुए उसी पुराने ढर्रे पर चलते रह सकते हैं, या फिर इसे शहरी शासन और बुनियादी ढांचे की वार्षिक परीक्षा के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वास्तविक लचीलापन केवल चौड़ी सड़कें या बड़े नाले बनाने से नहीं आता।

ब्रास सिटी इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट : मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट टीम ने स्काईलाइन को 29 रनों से दी मात

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में ब्रास सिटी इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में एमपीएस क्रिकेट एकेडमी के ग्राउंड पर आयोजित लीग मैच में मॉडर्न पब्लिक क्रिकेट टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्काईलाइन को 28 रन से हराकर जीत दर्ज की। दानिश आलम को मैन ऑफ द मैच चुना गया। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट टीम ने निर्धारित 30 ओवर में आठ विकेट पर 236 रन की पारी खेली। जवाब में स्काईलाइन की टीम 30 ओवर में नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी। मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट टीम की ओर से दानिश आलम ने 71 गेंदों पर 97 रन की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 11 चौके और चार छक्के जड़े। उनके अलावा आयुष सिंह नाबाद 24, प्रतिक्षा नाबाद 12, आयुष पाल 20 और राजवीर सिंह ने 20 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्काईलाइन की शुरुआत अच्छी रही। टीम की ओर से आरव कश्यप ने 37 गेंदों पर 55 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। दीपांशु चौधरी ने 30 और कप्तान रोहन सिंह ने 23 रन बनाए। अंत में पलक सिंह ने 19 गेंदों में 33 रन बनाकर संघर्ष किया लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

'आपके आंसू हमारे आंसू हैं', मैदान पर भावुक हुए मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने लिखा खास पोस्ट'

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। खिताबी मुकाबले में हार के बाद कप्तान लियोनेल मेसी भावुक नजर आए। इस बीच, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने कप्तान मेसी के लिए खास पोस्ट लिखा है। स्पेन के खिलाफ फाइनल मैच में मेसी लय में दिखाई नहीं दिए और विपक्षी टीम ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अपने प्रदर्शन और खिताबी मुकाबले में मिली हार से मेसी खुद की भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कप्तान, आपके आंसू हमारे आंसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियां दीं। आपके समर्पण, उस जादू और आखिरी पल तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करेंगे, लियो।' लियोनेल मेसी का प्रदर्शन फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 गोल और चार असिस्ट किए।

वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ मालामाल हुआ स्पेन, अर्जेंटीना पर भी हुई पैसों की बारिश

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में स्पेन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन ने इस जीत के साथ ही दूसरी बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। चैंपियन बनने के बाद स्पेन पर जमकर पैसों की बरसात हुई है। स्पेन को फीफा विश्व कप का खिताब जीतने के बाद 50 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 480 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिली। पिछले वर्ल्ड कप में इनामी राशि 42 मिलियन डॉलर थी, और इस बार प्राइज मनी को 8 मिलियन डॉलर बढ़ाया गया था। वहीं, फाइनल में हार का सामना करने के बावजूद अर्जेंटीना को भी 33 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 318 करोड़ रुपये) दिए गए। विश्व कप में फ्रांस को हराकर तीसरे स्थान पर रहने वाली इंग्लैंड टीम को 29 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 279 करोड़ रुपये), तो चौथे स्थान पर रही फ्रांस को 27 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 260 करोड़ रुपये) मिले। क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाली हर टीम को 19 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 183 करोड़ रुपये) मिले। वहीं, राउंड ऑफ 16 में ही टूर्नामेंट से बाहर होने वाली टीमों को 15 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 144 करोड़ रुपये) दिए गए।

'हमने आखिरी तीन ओवर में अधिक रन दिए', शुभमन गिल ने गेंदबाजों को ठहराया तीसरे वनडे में हार के लिए जिम्मेदार

लंदन । भारत को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में 27 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद कप्तान गिल ने माना कि आखिरी के तीन ओवरों में अधिक रन देना टीम को भारी पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 45वें ओवर तक हम गेम में बने हुए थे। हमने आखिरी तीन ओवरों में बहुत ज्यादा रन दे दिए। मुझे लगता है कि हमने लगभग 60 रन दिए और वहीं से मैच हमारे हाथ से थोड़ा निकल गया।' गिल ने कहा कि भारतीय टीम को पूरी उम्मीद थी कि वह इस रन चेज को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा, 'हां, बिल्कुल, हमने सोचा कि अगर 40 ओवर के बाद हमारे पास विकेट बचे रहे, तो हम मैच में बने रहेंगे। हालांकि, साथ ही, हम गेम में बहुत पीछे भी नहीं रहना चाहते थे। इसी वजह से मुझे लगता है कि पावरप्ले के बाद हमने रन बनाना शुरू किया और रन रेट को छह या साढ़े छह के आसपास बनाए रखा। अगर हम छह या साढ़े छह के आसपास खेलते रहते और फिर आखिरी 10 ओवर में 100-110 रन बना लेते, तो कुछ भी हो सकता था।' भारतीय कप्तान के अनुसार, गेंदबाजों का प्रदर्शन इस सीरीज में निराशाजनक रहा।

अर्जेंटीना के राजदूत ने फीफा विश्व कप में समर्थन के लिए भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों को दिया धन्यवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 से हारकर उपविजेता रही अर्जेंटीना की टीम को मिले समर्थन के लिए भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कौसिनो ने भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है।

कौसिनो ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा करते हुए भारत में अर्जेंटीना के प्रति लगातार बढ़ रहे समर्थन की सराहना की। उन्होंने लिखा, इस विश्व कप के दौरान अर्जेंटीना की टीम को लगातार समर्थन देने के लिए भारत के लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। विश्व कप-2022 में लियोनेल मेस्सी की अगुआई में अर्जेंटीना के विश्व चैंपियन बनने के बाद भारत में टीम प्रशंसकों ने अर्जेंटीना का उत्साहवर्धन किया। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरी अर्जेंटीना

और मेस्सी के प्रशंसकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी कारण पूरे टूर्नामेंट के दौरान भारत में भी लगातार दूसरी बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन खिताब बचाने का उसका सपना न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में टूट गया। स्पेन ने अतिरिक्त समय में 1-0 से जीत दर्ज कर 2010 के बाद अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में किया।पूरे मुकाबले में स्पेन का दबदबा देखने को मिला। स्पेन ने लगातार आक्रमण करते हुए कई मौके बनाए, जबकि अर्जेंटीना उसकी मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि, अर्जेंटीना खिताब बचाने में सफल नहीं रही, लेकिन लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल तक पहुंचने की उसकी उपलब्धि को भारत सहित दुनिया भर के प्रशंसकों ने सराहा।

प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता के चयन ट्रायल्स 20 और 21 जुलाई को

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसके लिए मंडलीय टीम के चयन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके तहत जिले और मंडल स्तर पर चयन ट्रायल्स सोनकपुर स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि जिला स्तरीय चयन ट्रायल 20 जुलाई को दोपहर तीन बजे से शुरू होंगे। इसमें जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। वहीं मंडल स्तरीय चयन ट्रायल 21 जुलाई को दोपहर तीन बजे से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की गई मंडलीय टीम आगामी प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। यह प्रतियोगिता 1 से 8 अगस्त तक जिला खेल कार्यालय मऊ जनपद में आयोजित की जाएगी।

एचपीसीए स्टेडियम में शुरू हुआ अंपायर एवं मैच रेफरी रिफ्रेशर कोर्स, 25 जुलाई तक चलेगा

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 19 जुलाई से 25 जुलाई तक एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम, धर्मशाला में अंपायर एवं मैच रेफरी रिफ्रेशर कोर्स-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह रिफ्रेशर कोर्स दो चरणों (बैचों) में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य अंपायरों एवं मैच रेफरियों को क्रिकेट के नवीनतम नियमों, खेल की परिस्थितियों तथा मैच संचालन से संबंधित दिशा-निर्देशों से अवगत कराना और उनके ज्ञान एवं कौशल को और सुदृढ़ करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को क्रिकेट के नियमों में हुए नवीनतम संशोधनों, मैच प्रबंधन, निर्णय लेने की प्रक्रिया तथा मैदान पर प्रभावी अंपायरिंग से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में कक्षा आधारित सत्र, व्यावहारिक अभ्यास, केस स्टडी तथा इंटरैक्टिव चर्चा भी आयोजित की जाएगी। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन राज्य में क्रिकेट अधिकारियों के निरंतर विकास एवं

क्षमता संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अंपायरों एवं मैच रेफरियों को अपने ज्ञान को अद्यतन करने, अनुभव साझा करने तथा अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे प्रदेश में क्रिकेट प्रतियोगिताओं का संचालन उच्च स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके।

इस रिफ्रेशर कोर्स में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों से अंपायर एवं मैच रेफरी भाग ले रहे हैं।

रिजर्व पुलिस लाइंस में 74वीं अंतरजनपदीय वॉलीबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता शुरु, सात जनपदों के खिलाड़ी दिखा रहे दमखम

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज कमिश्नरेट के रिजर्व पुलिस लाइंस में 74वीं अंतरजनपदीय वॉलीबॉल क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन पुलिस उपायुक्त मुख्यालय पंकज ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के साथ-साथ आपसी समन्वय और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देती हैं। इस प्रतियोगिता में कमिश्नरेट प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, बांदा, महोबा और चित्रकूट सहित सात जनपदों की महिला एवं पुरुष टीमों के 90 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक लाइंस प्रथम विनोद कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक द्वितीय प्रवीण कुमार सिंह सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया

प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष वर्ग का मुकाबला प्रतापगढ़ और फतेहपुर के बीच खेला गया, जिसमें फतेहपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर अगले चरण में प्रवेश किया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग की विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिस कर्मियों में शारीरिक दक्षता, खेल भावना, टीम वर्क और आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करना है।

तीसरे वनडे में इंग्लैंड ने भारत को 27 रन से हराया, सीरीज 2-1 से जीती

एजेंसी

लंदन। बेन डकेट की शानदार 141 रन की पारी और सैम करन की अगुवाई में गेंदबाजों के निर्णायक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा के करियर के बेहतरीन शतकों में शामिल 138 रन भी टीम को जीत नहीं दिला सके।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में तीन विकेट पर 387 रन बनाए, जो भारत के खिलाफ उसका अब तक का सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने 135 गेंदों पर 141 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जैकब बेथेल ने 91 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 192 रन की साझेदारी कर भारत पर दबाव बनाया। अंतिम ओवरों में जो रूट (नाबाद 74) और कप्तान जोस बटलर (नाबाद 41) ने सिर्फ 19 गेंदों में 63 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। भारत

की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए, जबकि प्रिंस यादव को एक सफलता मिली।

388 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 147 रन जोड़े। गिल ने 77 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद रोहित शर्मा ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन जोड़कर भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं।

रोहित शर्मा ने 111 गेंदों पर 138 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। यह लॉर्ड्स के मैदान पर किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला वनडे शतक भी रहा। विराट कोहली ने भी 60 गेंदों पर 74 रन की आक्रामक पारी खेली और रोहित के साथ मिलकर मैच को रोमांचक बना दिया। हालांकि दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारतीय मध्यक्रम इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सका। अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गिरने से रन गति प्रभावित हुई और टीम निर्धारित 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से सैम करन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और भारत की जीत की उम्मीदों पर विराम लगा दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। वहीं भारत रिकॉर्ड 388 रन के लक्ष्य का सफल पीछा करने से चूक गया और रोहित शर्मा का यादगार शतक टीम की हार के कारण फीका पड़ गया।

अर्जुन अवॉर्ड प्राप्त बैडमिंटन खिलाड़ी अभिन्न श्याम गुप्ता सम्मानित

एजेंसी

मुरादाबाद। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित अभिन्न श्याम गुप्ता को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह और उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय विक्रम पाठक ने बुके व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। प्रयागराज निवासी अभिन्न श्याम गुप्ता अगवानपुर स्थित ब्रास सिटी जिमखाना में चल रही योनेक्स सनराइज प्रथम यूपी स्टेट सब जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल मैच में शामिल होने आए हैं, जहां उनका बेटा शिवेश गुप्ता भी प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहा है। उनके आगमन से खिलाड़ियों में खासा उत्साह है। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने अभिन्न श्याम गुप्ता के खेल जीवन और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्हें प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। वहीं डॉ. अजय विक्रम पाठक ने अर्जुन अवॉर्डी खिलाड़ी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को सीखने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर प्रधान सहायक कृपाल सिंह, बैडमिंटन कोच आसिफ सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

अंडर 15 बायज सिंगल्स में आगरा के अंकुर प्रताप सिंह और गर्ल्स सिंगल्स में आर्नवी पाठक विनर

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन एवं अर्व बैडमिंटन अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में ब्रासिसिटी जिमखाना में चल रहे योनेक्स सनराइज फर्स्ट यूपी स्टेट सब जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट-2026 समापन हुआ। चौथे व अंतिम दिन सेमीफाइनल एवं फाइनल मैच खेले गए। अंडर- 15 बायज सिंगल्स में आगरा के अंकुर प्रताप सिंह और अंडर- 15 गर्ल्स सिंगल्स में लखनऊ की आर्नवी पाठक चैंपियन बनीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह, एडीजे जितेन्द्र सिंह, निर्यातक सुधीर त्यागी, रीजनल मैनेजर इंडियन आयल लव गोयल, ब्रासिसिटी जिमखाना के फाउंडर डॉ संजय गुप्ता, डॉ अनंत राणा, डॉ पीके गुप्ता, अंकुश अग्रवाल, डॉ अनुराग अग्रवाल एवं अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी अर्जुन अवार्डी अभिन्न श्याम गुप्ता, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ बृजपाल सिंह यादव उपस्थित रहें। अर्व बैडमिंटन अकैडमी के डॉ अनिल चौहान, डॉ मनीष भट्ट एवं डॉ हिमांशु यादव ने सभी स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुरादाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव सतीश शर्मा ने टूर्नामेंट संबंधी सभी व्यवस्थाओं को अच्छे अपनी देखरेख में संपन्न कराया।

एसोसिएशन की तरफ़ से चेयरमैन अमिताभ प्रकाश, आनंद मोहन गुप्ता, विपिन गुप्ता, शश उपस्थिति रहें। आज के टूर्नामेंट के दौरान डॉ स्मिता गुप्ता, डॉ क्षिति राणा, डॉ प्रज्ञा अग्रवाल, नीलम शर्मा, सोनू चौहान, डॉ नीतू सिंह, ऋचा भट्ट, कोच सूर्या, डॉ जी एस मटेला, अनूप शंखधर, आशुतोष शंखधर, नवीन अग्रवाल आदि उपस्थित रहें। चीफ रेडी अजय सिंह की देख रेख में तकनीकी समिति ने टूर्नामेंट को अच्छे से ऑर्गनाइज किया। आयोजक डॉ हिमांशु यादव ने बताया कि अंडर 15 बायज सिंगल्स में आगरा के अंकुर प्रताप सिंह, अंडर 15 बॉयज डबल में जौनपुर के कुशाग्र रामानुज द्विवेदी और प्रयागराज के शिवांश गुप्ता, अंडर 15 गर्ल्स सिंगल्स में लखनऊ की आर्नवी पाठक, अंडर 15 गर्ल्स डबल में लखनऊ की जानया श्रीवास्तव और मनसा राय, अंडर 15 मिक्स्ड डबल्स में लखनऊ के हर्षित यादव और जानया श्रीवास्तव, अंडर 17 बॉयज सिंगल में प्रयागराज के प्रखर तिवारी, अंडर 17 बाय डबल्स में नोएडा के सार्थक सोम और आगरा के शुभम सोलंकी, अंडर 17 गर्ल्स सिंगल्स में नोएडा की अग्रिमा सिंह, अंडर 17 गर्ल्स डबल में आगरा की पलक यादव और वाराणसी की याना गुप्ता, अंडर 17 मिक्स्ड डबल्स में आगरा के अंकुर प्रताप और संघमित्रा गौतम विनर रहीं।

संग्राम सिंह बने एशियन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय, पाकिस्तानी फाइटर को 80 सेकेंड में हराया

एजेंसी

कुआलालंपुर। भारतीय पहलवान से एमएमए फाइटर बने संग्राम सिंह ने इतिहास रचते हुए एशियन एमएमए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली को महज 1 मिनट 20 सेकेंड में हराकर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। यह एमएमए में संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत और किसी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी पर दूसरी जीत रही। इस जीत के साथ उन्होंने अपने अपराजेय रिकॉर्ड को भी कायम रखा।

खिताब जीतने के बाद संग्राम सिंह ने अपनी जीत 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित करते हुए कहा कि उनका हर मुकाबले में एक ही लक्ष्य रहता है–भारत का तिरंगा ऊंचा रखना। उन्होंने कहा कि एक बार फिर देश के लिए यह उपलब्धि हासिल कर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है।संग्राम के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि आबिद अली लंबी कद-काठी और तेज पंचों वाले फाइटर हैं। मुकाबले की शुरुआत में उन्होंने आक्रामक अंदाज में हमला किया और एक पंच संग्राम की आंख के पास भी लगा। इसके बावजूद संग्राम ने धैर्य बनाए रखा और जल्दबाजी नहीं दिखाई। करीब 30वें सेकंड में संग्राम ने अपनी कुश्ती की तकनीक का शानदार प्रदर्शन करते हुए

प्रतिद्वंद्वी के पैर पर हमला किया और एंकल होल्ड लगा दिया। इसके बाद उन्होंने आबिद को केज के किनारे से खींचकर अंदर लाया और उसी स्थिति से चोक लगाकर सबमिशन हासिल कर लिया। आबिद के पास इसका कोई जवाब नहीं था और उन्हें हार स्वीकार करनी पड़ी।

फाइनल मैच खत्म होने के बाद भिड़े स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ी, मैदान पर हुई मारपीट

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन ने फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। हालांकि, मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान पर एक-दूसरे से भिड़ गए। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पेरेडेस हार के बाद खुद पर काबू नहीं रख सके और वह स्पेन के खिलाड़ियों संग मारपीट करते हुए दिखाई दिए। फाइनल मैच की आखिरी सीटी बजने के बाद अर्जेंटीना के डिफेंडर नहुएल मोलिना ने स्पेन के एक खिलाड़ी के पेट में मुक्का मारा। वहीं, मिडफील्डर पेरेडेस को स्पेन के एरिक गार्सिया का गला पकड़कर धक्का देते हुए देखा गया, जिसके बाद अर्जेंटीना के हेड कोच स्कालोनी ने बीच-बचाव किया। गार्सिया के साथ हुई झड़प के अलावा, पेरेडेस ने गावी को जमीन पर गिरा दिया, उनके चेहरे पर हाथ रखकर उन्हें धक्का दिया और ऐसा लगा कि उन्होंने 21 वर्षीय बार्सिलोना मिडफील्डर की ओर अपना बूट (जूता) भी मारा। उसी समय, मोलिना ने रोड्री पर मुक्का चलाने की कोशिश की, जिससे स्पेनिश कप्तान रुक गए और गुस्से में अर्जेंटीना के डिफेंडर का सामना किया।

इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी एलन शियरर ने 'बीबीसी' पर कहा, 'पेरेडेस ने किसी के चेहरे पर दो-तीन जोरदार मुक्के मारे। वह उन पर हमला करने के इरादे से गए थे।

स्पेन ने अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में हराकर दूसरी बार जीता फीफा विश्व कप का खिताब

एजेंसी

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने रोमांचक फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को सोमवार तड़के (भारतीय समयानुसार) अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर दूसरी बार फीफा विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने विजयी गोल दागकर स्पेन को 2010 के बाद पहला और कुल दूसरा विश्व कप दिलाया। बार्सिलोना के स्टार फारवर्ड फेरान टोरेस 62वें मिनट में मिकेल ओयारजाबाल की जगह मैदान पर उतरे थे। अतिरिक्त समय में निको विलियम्स ने पेड्रो पोरो के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाया, जिसे अर्जेंटीना पूरी तरह क्लियर नहीं कर सका। गेंद फेरान टोरेस के पास पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर स्पेन को बढ़त दिला दी। इससे पहले मुकाबले का रुख 90वें मिनट में बदल गया, जब अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज ने स्पेन के युवा डिफेंडर पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल कर दिया। रेफरी स्लावको विन्चिच ने उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाते हुए लाल कार्ड थमा दिया, जिसके बाद अर्जेंटीना को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

पूरे मैच में स्पेन का दबदबा देखने को मिला। स्पेन ने लगातार आक्रमण किए और कई गोल करने के अवसर बनाए, हालांकि उसे सफलता अतिरिक्त समय तक नहीं मिली। दूसरी ओर, अर्जेंटीना स्पेन की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने संघर्ष करता नजर आया।

प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे मेसी

लियोनेल मेसी भी इस मुकाबले में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। अर्जेंटीना का पहला शॉट 117वें मिनट में आया, जब मेसी का प्रयास स्पेन के खिलाड़ियों ने ब्लॉक कर दिया। लगातार दूसरे विश्व कप खिताब की उम्मीद लगाए बैठी अर्जेंटीना की टीम 1962 के बाद पहली बार खिताब बचाने वाली टीम बनने का सपना भी पूरा नहीं कर सकी। मैच के अंतिम मिनटों में अर्जेंटीना ने बराबरी के लिए जोरदार प्रयास किए, लेकिन स्पेन के खिलाड़ियों ने शानदार रक्षण करते हुए बढ़त बरकरार रखी और इतिहास रच दिया। यह 48 टीमों वाले अब तक के सबसे बड़े फीफा विश्व कप का 104वां और अंतिम मुकाबला था, जिसकी मेजबानी संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की। टूर्नामेंट में कुल 307 गोल हुए, जो विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रहे। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए खेल और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां भी स्टेडियम पहुंचीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मैच के दौरान मौजूद रहे और पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। समापन समारोह में प्रसिद्ध गायक पोस्ट मेलोन ने प्रस्तुति दी, जबकि हाफ टाइम शो में जस्टिन बीबर, मैडोना, शकीरा, बीटीएस, बर्ना बॉय सहित कई वैश्विक कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

टू व्हीलर बाजार में एक्टिवा का जलवा कायम, सबसे ज्यादा बिकने वाले शीर्ष दस स्कूटरों की सूची जारी

मुंबई। देश के दोपहिया वाहन बाजार में स्कूटरों की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। जून 2026 के बिक्री आंकड़ों में एक बार फिर होंडा एक्टिवा सबसे अधिक बिकने वाला स्कूटर बनकर उभरा। पिछले महीने इस स्कूटर को 2,18,932 नए ग्राहकों ने खरीदा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक बिक्री है। जून 2025 में होंडा एक्टिवा की 1,83,265 इकाइयों की बिक्री हुई थी। लगातार बढ़ती मांग ने एक बार फिर इसे देश का सबसे लोकप्रिय स्कूटर बना दिया है। टीवीएस जुपिटर दूसरे और सुजुकी एक्सेस तीसरे स्थान पर बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर टीवीएस जुपिटर रहा। जून 2026 के दौरान इस स्कूटर की 1,36,805 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है। वहीं तीसरे स्थान पर सुजुकी एक्सेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। इस स्कूटर की 63,121 इकाइयों की बिक्री हुई और इसे सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि मिली।

महिंद्रा स्कॉर्पियो का एकतरफा दबदबा बरकरार जून की बिक्री में प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ा और बनी शीर्ष पसंद

नई दिल्ली। भारतीय वाहन बाजार में बड़े और मध्यम आकार के खेलकूद उपयोगिता वाहनों (एसयूवी) की मांग में अभूतपूर्व तेजी देखी जा रही है। विशेष रूप से साढ़े चार मीटर से लेकर पौने पांच मीटर तक की लंबाई वाले एसयूवी खंड में एक प्रमुख स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी का एकतरफा राज कायम है। बीते महीने के बिक्री आंकड़ों के अनुसार, महिंद्रा स्कॉर्पियो ने घरेलू बाजार में अपना शीर्ष स्थान पूरी मजबूती से सुरक्षित रखा है। पिछले तीस दिनों के भीतर इस दमदार गाड़ी की कुल चौदह हजार सत्तानवे इकाइयां बिकी हैं, जिससे यह इस विशेष श्रेणी में दस हजार से अधिक बिक्री दर्ज कराने वाला इकलौता मॉडल बन गया है। बिक्री की इस दौड़ में कंपनी के अन्य मॉडलों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरे पायदान पर महिंद्रा XUV|X® ने अपनी जगह बनाई है, जिसकी बीते महीने कुल नौ हजार दो सौ चवालीस इकाइयां ग्राहकों द्वारा खरीदी गईं। पिछले वर्ष की समान अवधि में इसकी छह हजार चार सौ पैंतीस इकाइयां बिकी थीं, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को स्पष्ट करता है। इसी सूची में तीसरे स्थान पर एक बिल्कुल नया बिजली से चलने वाला मॉडल, महिंद्रा XEV ~S रहा है, जिसने बाजार में आते ही धूम मचा दी है और अपनी चार हजार अठारह इकाइयों की प्रभावशाली बिक्री दर्ज कराई है।

आरएसडब्ल्यूएम बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए परिधान निर्माण में रखेगी कदम

नई दिल्ली। विभिन्न देशों के साथ व्यापार संधि और बढ़ती घरेलू मांग के मद्देनजर वस्त्र उद्योग की प्रमुख कंपनी आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने पर विचार कर रही है। राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल के नाम से 1958 में राजस्थान के भिलवाड़ा में स्थापित कंपनी फिलहाल धागे और कपड़े बनाती है। आरएसडब्ल्यूएम के संयुक्त प्रबंध निदेशक राजीव गुप्ता ने समाचार एजेंसी 'यूनीवार्ता' को एक विशेष बातचीत में बताया कि भारत से धागा तथा कपड़ा बंगलादेश, श्रीलंका और वियतनाम को निर्यात किये जाते हैं। वे भारत से कपड़ा खरीदकर उसकी रंगाई करके उससे परिधान बनाते हैं और यूरोपीय तथा दूसरे बाजारों में बेचते हैं। अब तक भारत से जाने वाले सिले-सिलाये कपड़ों यानी परिधानों पर ब्रिटेन और यूरोपीय बाजारों में आठ से 12 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। वहीं, बंगलादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका या वियतनाम से जाने वाले परिधानों पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इसलिए, भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा, 'ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता 15 जुलाई से प्रभावी हो गया है। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि आठ-नौ महीने में लागू होने की उम्मीद है। कुल नौ एफटीए (या व्यापार संधि) हुए हैं। इन सबसे भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए लगभग 250 अरब डॉलर का बाजार खुला है, जहां पहले शुल्क के कारण हम पीछे थे।' व्यापार संधियों से पैदा हुए अवसर को देखते हुए परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर श्री गुप्ता ने कहा, 'हमारे लिए परिधान बनाना स्वाभाविक है और हम उस पर विचार कर रहे हैं। इस दिशा में हमारी कोई घोषित योजना नहीं है। हम इसमें जरूर आयेंगे।

वैश्विक कारकों, तिमाही परिणामों से मिलेगी बाजार को दिशा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों और कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। गत सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से वृहत बाजार में गिरावट रही, हालांकि आईटी, बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से प्रमुख सूचकांक साप्ताहिक बढ़त में बंद हुए। अगले सप्ताह भी निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट पर रहेगी। घरेलू स्तर पर इंफोसिस समेत कई कंपनियों के तिमाही परिणाम आने वाले सप्ताह में जारी होने हैं। इनसे भी बाजार को दिशा मिलेगी। गत सप्ताह बीएसई के सेंसेक्स में सोमवार, बुधवार और तेजी रही जबकि मंगलवार को सूचकांक गिरावट में बंद हुआ था। वहीं, गुरुवार को यह सपाट रहा था। सेंसेक्स 582.06 अंक (0.75 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में 78,151.45 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 127.40 अंक यानी 0.52 प्रतिशत ऊपर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ।

लोहिया कॉर्प का प्राइस बैंड तय, 23 जुलाई को खुलेगा 1,102 करोड़ का आईपीओ

एजेंसी

नई दिल्ली। टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,102.08 करोड़ रुपये का है। लोहिया कॉर्प का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें 27 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक

लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्वीरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 1,386.47 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,737.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी गिरावट आई।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सामान्य हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी 21 और 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 20 जुलाई को गल्फ लॉयड्स का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का

मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सीबीआई की 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार राज्यों में छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड में छह जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित मेसर्स गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मामले में की गई।

सीबीआई के अनुसार कंपनी पर केनरा बैंक से फंड आधारित और गैर-फंड आधारित विभिन्न वित्तीय सुविधाएं हासिल करने के दौरान 1,109 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने स्टॉक का मूल्य बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देनदारियों को कृत्रिम रूप से बढ़ाया और वित्तीय विवरणों में हेराफेरी कर अधिक ऋण सुविधा प्राप्त की। इसके अलावा ऋण राशि का दुरुपयोग और दूसरी जगह इस्तेमाल करने के साथ खातों को एवरग्रीनिंग (नए ऋण से पुराने ऋण को नियमित दिखाना) के जरिए बैंक

को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया गया। सीबीआई ने यह तलाशी विशेष सीबीआई न्यायाधीश, भुवनेश्वर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर शनिवार को की। जांच के तहत ओडिशा के भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय तथा उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कंपनी की तीन विनिर्माण इकाइयों में तलाशी ली गई। सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं। मामले की जांच जारी है।

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल की कीमत में उबाल, 90 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से कच्चे तेल की आवाजाही एक बार फिर पूरी तरह से ठप पड़ जाने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है। ब्रेंट क्रूड आज 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर पिछले डेढ़ महीने के सबसे ऊंचे स्तर 90.73 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 2.60 डॉलर प्रति बैरल की उछाल के साथ 90.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद कुछ देर के लिए इसकी कीमत 90 डॉलर के स्तर से नीचे लुढ़क कर 89.91 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंची, लेकिन थोड़ी देर बाद ही ये दोबारा 90 डॉलर के स्तर को पार कर 90.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.48 डॉलर प्रति बैरल यानी 2.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.58 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने 2.14 डॉलर प्रति बैरल की बढ़त के साथ 84.63 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में डब्ल्यूटीआई क्रूड कुछ देर के लिए फिसल कर 83.61 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। थोड़ी देर बाद ही इसकी चाल में तेजी आ गई। इस तेजी की वजह डब्ल्यूटीआई क्रूड थोड़ी देर बाद ही 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 85.39 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 84.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई पर संकट बढ़ाने की आशंका बन गई है। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एक्जेक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि अमेरिका और ईरान द्वारा जिस तरह से युद्ध को तेज कर रहे हैं, उससे पश्चिम एशिया में शांति की संभावनाएं काफी क्षीण हो गई हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय विद्युत मंत्री से की भेंट,जुलाई-अगस्त के लिए अतिरिक्त बिजली मांगी, ऊर्जा परियोजनाओं पर की चर्चा

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं, जलविद्युत एवं पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) और पिटकुल की एशियाई विकास बैंक (एडीबी) सहायतित पारेषण परियोजना सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने राज्य की बढ़ती बिजली मांग और संभावित कम जलविद्युत उत्पादन का हवाला देते हुए केंद्रीय पूल से जुलाई 2026 की शेष अवधि के लिए 150 मेगावाट और अगस्त 2026 के लिए 200 मेगावाट अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि एल-नीनो की संभावित परिस्थितियों, वर्षा में कमी और जलाशयों में कम जलागम के कारण जलविद्युत उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जबकि चारधाम यात्रा और आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान बिजली की मांग बढ़ने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड को पूर्वोत्तर

राज्यों की तर्ज पर जलविद्युत परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तीय सहायता देने का भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य में लगभग 10 गीगावाट पम्प्ड स्टोरेज क्षमता विकसित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 7,800 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता अथवा वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) की स्वीकृत क्षमता 500 मेगावाट आवर से बढ़ाकर 665 मेगावाट आवर करने तथा उसके अनुरूप वायबिलिटी गैप फंडिंग उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। बैठक में पिटकुल की 3,638.26 करोड़ रुपये लागत वाली एडीबी सहायतित पारेषण परियोजना पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने परियोजना के लिए एडीबी ऋण और राज्यांश की मूल 80:20 वित्तीय व्यवस्था को यथावत बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि वित्तीय पैटर्न में बदलाव से विशेष श्रेणी के हिमालयी राज्य के रूप में उत्तराखंड को मिलने वाले लाभ प्रभावित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) परियोजना को तकनीकी रूप से उपयुक्त मान चुका है और विद्युत मंत्रालय ने भी एडीबी सहायता पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। उन्होंने परियोजना को मूल वित्तीय व्यवस्था के साथ मंजूरी देने का अनुरोध किया। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री द्वारा रखे गए प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना - एसएलएससी की बैठक में 10 उद्योगों को अनुदान स्वीकृत

1,117 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, 2300 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहित करने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में शुरू की गई राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना की बदौलत प्रदेश में लगातार नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार अनुदान दिए जा रहे हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) की बैठक हुई। इसमें 10 उद्योगों को अनुदान स्वीकृत किया गया। इन उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव, थ्रस्ट बूस्टर/ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, ग्रीन इन्सेन्टिव जैसे विविध परिलाभ दिए जाएंगे। इन उद्योगों द्वारा कुल 1,117 करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश किया गया है और 2,300 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने बताया कि एसएलएससी की बैठक में एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव, थ्रस्ट बूस्टर, ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, ग्रीन इन्सेन्टिव जैसे विविध परिलाभ स्वीकृत किए गए हैं। अब इन्हें चरणबद्ध रूप से यह परिलाभ दिए जाएंगे। इस स्वीकृति समित में 25 करोड़ रुपये से अधिक निवेश राशि वाले उद्यमों को मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज सहित ग्रीन इन्वेस्टमेंट, एक्सपोर्ट प्रमोशन, ट्रेनिंग तथा स्किलिंग के लिए परिलाभ दिया दिए जाते हैं।

मप्र के 10.54 लाख किसानों के खातों में जारी की गई 1460 करोड़ 25 लाख रुपये की फसल बीमा राशि

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में किसान हित में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में बलराम कृषि महोत्सव जारी है, जिसमें किसानों को जैविक कृषि, खेती में अत्याधुनिक मशीनों के इस्तेमाल, फसल विविधीकरण, कीटनाशकों के कम से कम उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपये का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।भौगोलिक संदर्भ इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एयर इंडिया के बेड़े में डेढ़ साल में शामिल होंगे 50-60 नए विमान

एजेंसी

नई दिल्ली/अबू धाबी। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया अगले 18 माह में अपने बेड़े में 50 से 60 नए विमान शामिल करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि विमानन क्षेत्र में कई चुनौतियों के बावजूद उसका महत्वाकांक्षी रूपांतरण योजना तय दिशा में आगे बढ़ रही है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी और एयर इंडिया एक्सप्रेस के चेयरमैन निपुण अग्रवाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कंपनी को कई महत्वपूर्ण सीख मिली है। उन्होंने बताया कि यह बदलाव अभियान काफी जटिल और चुनौतीपूर्ण रहा है। घाटे में चल रही विमानन कंपनी एयर इंडिया का जनवरी, 2022 में टाटा समूह ने अधिग्रहण किया था। अग्रवाल ने बताया कि विमानन उद्योग को आपूर्ति श्रृंखला में दिक्कतों, हवाई क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं, ईंधन कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद एयरलाइन अपनी तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया समूह का करीब 600 विमानों का ऑर्डर है और अभी इनमें से 10 फीसदी से कम की डिलिवरी हुई है। निपुण अग्रवाल ने कहा कि आने वाले वर्षों में इनकी डिलिवरी तेज होगी। उन्होंने कहा कि अगले सात से आठ वर्षों तक हर साल लगभग 50 से 60 नए विमान मिलने की उम्मीद है, जिनमें 10 से 15 बड़े आकार के विमान और 45 से 50 छोटे आकार के विमान शामिल भी होंगे।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला गल्फ लॉयड्स का आईपीओ, 27 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। विभिन्न उद्योगों के लिए थर्ड पार्टी ऑडिटिंग, इंस्पेक्शन, सर्टिफिकेशन और ट्रेनिंग की सर्विस देने वाली कंपनी गल्फ लॉयड्स (इंडिया) लिमिटेड का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद पहले दिन दोपहर 12:45 बजे तक ये आईपीओ 2.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। खासकर, रिटेल इंवेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में ये इश्यू 4.21 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,19,200 करोड़ नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 1.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके

अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशिय सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं प्रभात फाइनेंशिय सर्विसेज लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। गल्फ लॉयड्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत नजर आती है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह 2025-26 में कंपनी को 35.97 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई थी। कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 13.48 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इस अवधि में गल्फ लॉयड्स के पास 8.71 करोड़ रुपये का रिजर्व और सरप्लस था। अगर कंपनी की ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 7.90 करोड़ रुपये के स्तर पर थी। अगर कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ की बात करें तो 2025-26 के अंत तक गल्फ लॉयड्स पर 15.68 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लदा हुआ था।

अमेरिका ने तेल रिफाइनरी शहर अबादान पर किया मिसाइल हमला, जवाब में ईरान ने कई देशों को बनाया निशाना

एजेंसी

काहिरा। दक्षिण-पश्चिमी ईरान के खुजेस्तान प्रांत में स्थित अबादान शहर के बाहरी इलाके पर अमेरिका ने मिसाइल हमला किया। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने प्रांत के एक अधिकारी के हवाले से सोशलप्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि अबादान ईरान की सबसे पुरानी तेल रिफाइनरी का शहर है और इसकी सीमा इराक से लगती है। इससे पहले इसी हफ्ते भी अमेरिका ने यहां हमला किया था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन, कुवैत और बहरीन ने कहा कि ईरान ने एक बार फिर उनके इलाकों की ओर हवाई हमले किए। इन घटनाओं के बाद अमेरिका ने दक्षिणी इजरायल से अपने ईंधन भरने वाले सैन्य विमानों (रिफ्यूलिंग प्लेन) को भी वहां से हटा लिया। जॉर्डन के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक, उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान से दागी गई तीन मिसाइलों को जॉर्डन की सीमा में आने से पहले ही मार गिराया। वहीं चौथी मिसाइल दक्षिणी जॉर्डन के एक सुनसान इलाके में गिरी, लेकिन उससे किसी की जान नहीं गई और न ही कोई नुकसान हुआ। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि इन मिसाइलों का निशाना जॉर्डन के सबसे दक्षिणी तटीय शहर अकाबा में मौजूद अमेरिकी सैन्य विमान थे। अकाबा की सीमा सीधे इजरायल के इलात शहर से लगती है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव, जॉर्डन में गूंजे सायरन, ईरान की मिसाइलों को हवा में ही किया इंटरसेप्ट

अम्मान। जॉर्डन के सरकारी प्रसारण संस्थान जॉर्डन रेडियो एंड टेलीविजन कॉरपोरेशन ने जॉर्डन के कई इलाकों में सायरन बजने की जानकारी दी। जॉर्डन के सरकारी प्रसारण संस्थान जॉर्डन रेडियो एंड टेलीविजन कॉरपोरेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पर इसकी जानकारी दी। रिपोर्टों के अनुसार, कई मीडिया रिपोर्टों ने इजरायली सेना के हवाले से बताया कि ईरान से दागी गई मिसाइलों की पहचान जॉर्डन के सबसे दक्षिणी तटीय शहर अकाबा की ओर जाते हुए हुई थी। इजरायली और जॉर्डन की सेनाओं ने इन मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोक दिया।एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले दिन में, अम्मान स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया था। इसमें कहा गया था कि अकाबा का हवाई अड्डा और बंदरगाह एक 'खास और भरोसेमंद खतरे' के कारण खाली करा दिए गए हैं। दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों से अपील की थी कि वे अगली सूचना तक इन जगहों की यात्रा न करें। अमेरिकी दूतावास ने जॉर्डन में सैन्य ठिकानों से दूर रहने की अपनी चेतावनी भी दोहराई, हालांकि बाद में जॉर्डन के अधिकारियों ने अमेरिकी दूतावास के इस दावे को खारिज कर दिया।

बांग्लादेश के 9 मुस्लिम धर्मगुरु काठमांडू पहुंचे, दौरे के उद्देश्य का नहीं हुआ खुलासा

काठमांडू। बांग्लादेश के 9 इस्लामिक धर्मगुरु के नेपाल आने के बाद से सुरक्षाबल सतर्क हो गए हैं। हालांकि, उनके नेपाल दौरे के उद्देश्य के बारे में अभी तक आधिकारिक रूप से कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। साथ ही उनके दौरे का कार्यक्रम भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के इमिग्रेशन विभाग के अनुसार बांग्लादेश के 9 इस्लामिक धर्मगुरु बीती रात करीब 9 बजे बटिक एयर की ओडी-182 (कुआलालंपुर-काठमांडू) उड़ान से नेपाल पहुंचे। इन सभी ने 30 दिनों का पर्यटक वीजा लिया है। इमिग्रेशन विभाग के मुताबिक उनका नेपाल प्रवास लगभग दो सप्ताह का रहने की संभावना है। नेपाल पहुंचे इस्लामिक धर्मगुरुओं में मोहम्मद अक्कास अली, अमीनुल इस्लाम, मोहम्मद मुस्ताफिजार रहमान, मोहद गोलाम मोस्तोफा, मोहम्मद मोक्लासुर रहमान, एकेएम मोनिरुज्जमान लावलु, सैयद शौकत अली, मोहम्मद मोन्सुर रहमान और मोहम्मद अनिसुर रहमान हैं।नेपाल पुलिस के प्रति आतंकवाद सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अचानक उनके बिना किसी कार्यक्रम में आने की वजह से पुलिस का विशेष ब्यूरो उन पर निगरानी रखे हुए हैं। नेपाल के सुरक्षाबलों को यह आशंका है कि खुली सीमा का फायदा उठाते हुए वे भारत में प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए सभी सीमावर्ती जिलों के सुरक्षा बलों को अलर्ट कर दिया गया है।

पाकिस्तान में मालगाड़ी के 17 डिब्बे पटरी से उतरे, रेल सेवा में रुकावट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मटियारी जिले के वहाब शाह रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी (कोल हॉपर ट्रेन) के 17 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस कारण सिंध क्षेत्र में रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और सभी अप-डाउन ट्रैक को बंद करना पड़ा। कराची और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल सेवा कुछ समय के लिए रुक गई। शुरुआती खबरों के मुताबिक, इस घटना से कई यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही बाधित हुई और कई सेवाएं देर से चलीं। यह मालगाड़ी कराची से यूसुफवाला जा रही थी। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद पाकिस्तान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग और बचाव टीमों के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि हादसे की सही वजह का तुरंत पता नहीं चल सका। हैदराबाद, टांडो आदम और अन्य रेलवे स्टेशनों पर फंसे यात्रियों ने मंजिल तक पहुंचने के लिए परिवहन के दूसरे संसाधनों का सहारा लिया। टांडो आदम के निवासियों और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी प्रभावित यात्रियों को भोजन, पीने का पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं देकर मदद की।

अमेरिका: यूटा में फ्लैश फ्लड, एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के कई इलाकों में जबरदस्त बारिश का आम लोगों के जीवन पर काफी असर पड़ा है। मौसम विभाग लगातार फ्लैश फ्लड को लेकर अलर्ट जारी कर रहा है। पिछले दो दिनों से फ्लैश फ्लड ने काफी तबाही भी मचाई। दक्षिणी यूटा की एक घाटी में फ्लैश फ्लड में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह परिवार शुक्रवार को ट्रैकिंग के लिए निकला था। मृतकों में प्रोवो फायर डिपार्टमेंट के कप्तान, उनकी पत्नी और उनके तीन बेटे शामिल हैं। परिवार की एक बेटी इस यात्रा पर नहीं गई थी, और वह सुरक्षित है। वेन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, परिवार शुक्रवार को यूटा के बिकनेल के पास स्थित घाटी में मौजूद सनग्लो कैंपग्राउंड पहुंचा था, जहां से वे दिनभर की हाइकिंग पर निकले थे।

शेरिफ कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'ऐसा माना जाता है कि भारी बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ की चपेट में आने से सभी की मौत हुई।' हालांकि शेरिफ कार्यालय ने मृतकों की पहचान

सार्वजनिक नहीं की, लेकिन प्रोवो फायर डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि फायर कैप्टन स्पेंसर लॉन्ग और उनके परिवार के सदस्यों की इस हादसे में मृत्यु हो गई। फायर विभाग ने कहा, 'कैप्टन स्पेंसर लॉन्ग और उनके परिवार के निधन से हम बेहद दुखी हैं। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और सहकर्मियों के साथ हैं।' शुक्रवार रात पुलिस को सूचना मिली कि बाढ़ के बहाव वाले क्षेत्र में एक युवक का शव मिला है। इसके बाद शुक्रवार और शनिवार को परिवार के अन्य चार सदस्यों के शव भी बरामद कर लिए गए। एक पारिवारिक मित्र द्वारा उनकी बेटी की सहायता के लिए शुरू किए गए 'गो फंड मी' पेज के अनुसार, इस हादसे में स्पेंसर लॉन्ग, उनकी पत्नी कैटरीना और उनके तीन बेटे रीड, थायने और गेज की मृत्यु हो गई। पेज पर लिखा गया, 'स्पेंसर और कैटरीना बेहद स्नेही और समर्पित माता-पिता थे। उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशी उनका परिवार था। उन्होंने अपनी उदारता और अटूट प्रेम से अनगिनत लोगों के जीवन को छुआ।' कैटरीना लॉन्ग एक मेडिकल स्पा की सह-संस्थापक थीं। समिट मेडिकल स्पा ने फेसबुक पर लिखा, 'कैटरीना, उनके पति और उनके तीन प्यारे बेटों के इस असहनीय निधन से हम गहरे शोक में हैं। हमारी संवेदनाएं उनके सभी प्रियजनों के साथ हैं।' इस बीच, अमेरिका के आधिकारिक मौसम विज्ञान केंद्र यानी एनडब्ल्यूएस के अनुसार, गुरुवार तक मध्य गल्फ कोस्ट के कई इलाकों में अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) का खतरा बना रहेगा। 'ट्रॉपिकल डिप्रेशन टू' (उष्णकटिबंधीय निम्न दबाव यानी तूफान के शुरुआती चरणों की अवस्था) के धीरे-धीरे मजबूत होने की आशंका जताते हुए कहा है कि यह सोमवार देर रात से फ्लोरिडा पैनहैंडल में उष्णकटिबंधीय तूफान (ट्रॉपिकल स्टॉर्म) जैसी परिस्थितियां पैदा कर सकता है। इसके अलावा, सोमवार को अपर मिडवेस्ट क्षेत्र में एक कोल्ड फ्रंट के साथ तूफान की चेतावनी दी है। मंगलवार को यही तूफानी गतिविधि ओहायो वैली और मिड-अटलांटिक क्षेत्रों की ओर बढ़ेगी, जहां तेज हवाएं, भारी बारिश और स्थानीय स्तर पर नुकसान की आशंका जताई गई है।

कैमरून के नॉर्थवेस्ट में सात यात्रियों का अपहरण, फिरौती की मांग

एजेंसी

याउंडे। कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में रात सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से नॉर्थवेस्ट क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है। यह बस नडोप इलाके से रवाना हुई थी और बामेंडा जा रही थी, तभी हथियारबंद लोगों ने उसे रोक लिया। क्षेत्र के एक सुरक्षा अधिकारी ने फोन पर बताया, 'अलगाववादी आतंकियों ने सबगा इलाके में बस को रोका और 10 यात्रियों का अपहरण कर लिया। जिनमें ड्राइवर भी शामिल था। घटना को देखने वाले दो लोगों को भी वे अपने साथ ले गए। वे सभी को जंगल की ओर ले गए और फिर बड़ी रकम की फिरौती मांगने लगे।' स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस हाईवे पर आवाजाही रोक दी गई है और बंधक बनाए गए लोगों को बचाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

पेरू में महसूस हुए दो भूकंप के झटके, कम से कम छह लोगों की मौत और 21 घायल

एजेंसी

लीमा। पेरू के एक पहाड़ी इलाके में दो बार भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। देश के सिविल डिफेंस चीफ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हुए। पेरू के नेशनल सिस्मोलॉजिकल सेंटर की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया गया कि शनिवार रात को लीमा से करीब 300 किमी (186 मील) पूरब में जुनिन इलाके के चुपाका प्रांत में 5.1 और 3.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। सेंटर ने बताया कि पहला भूकंप 24 किमी की गहराई पर और दूसरा 18 किमी की गहराई पर आया। यूरोपीय-मेडिटेरियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर ने पहले बताया था कि पहले भूकंप की तीव्रता 5.6 थी। बचावकर्मी उन लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं जो अभी भी मलबे में फंसे हो सकते हैं। प्रेसिडेंट-इलेक्ट केइको फुजीमोरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'जुनिन में आए भूकंप से हुई त्रासदी पर मुझे बहुत

दुख है। मैं उन लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जो मारे गए हैं और जो लोग प्रभावित हुए हैं उनके साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करता हूं।' पेरू के नेशनल सिविल डिफेंस इंस्टीट्यूट के हेड लुइस वास्केज ने लोकल रेडियो स्टेशन एक्सिटोसा को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 48 घर तबाह हो गए हैं और 18 और घरों को नुकसान पहुंचा है।

इससे लगभग 300 लोग प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अस्थायी कैंप दिए जा रहे हैं।

चुपाका में प्रभावित समुदायों के घर आम तौर पर एडोब ब्लॉक से बने शुरुआती ढांचे हैं। वास्केज ने कहा कि इमरजेंसी टीम और फायरफाइटर रविवार सुबह प्रभावित इलाकों में मलबा हटाने के लिए पहुंचे, क्योंकि उन्हें डर था कि और लोग फंसे हो सकते हैं।

पेरू पैसिफिक रिंग ऑफ फायर के किनारे बसा है, यह एक ऐसा जोन है जो दुनिया की लगभग 85 फीसदी सीस्मिक गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है।

अमेरिका ने ईरान पर फिर हमला किया, तीन शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि: राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर से हमला किया है। यह हमला उन तीन अमेरिकी सैनिकों के सम्मान में किया गया है जिनके मारे जाने की आशंका है। साथ ही, उन्होंने कहा कि तेहरान को बहुत ज्यादा सैन्य नुकसान हुआ है और अब होर्मुज स्ट्रेट पर उसका नियंत्रण नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति से जब सेवा सदस्यों के मौत के बारे में पूछा गया, तो ट्रंप ने कहा, 'हमें बहुत बुरा लग रहा है। वे महान लोग, वे महान देशभक्त, ईरान के पास परमाणु हथियार न हो, इसके लिए लड़ रहे थे।' उन्होंने कहा, 'ईरान को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने सेना के तौर पर लगभग सब कुछ खो दिया है। उनके पास बहुत कम बचा है। उनके पास कुछ मिसाइलें हैं। उनके पास कुछ ड्रोन हैं। उनके पास कुछ मैन्युफैक्चरिंग की क्षमता ज्यादा नहीं है।' ट्रंप ने कहा, 'हम स्ट्रेट को कंट्रोल करते हैं; वे किसी चीज को कंट्रोल नहीं करते। तो देखते हैं क्या होता है, लेकिन हमने आज रात उन्हें फिर से बहुत जोरदार तरीके से मारा और हमने ऐसा शायद तीन (सैनिकों) के सम्मान में किया।' ट्रंप ने रिपोर्टरों के साथ अपनी छोटी सी बातचीत में सैनिकों की पहचान या उनकी मौत के हालात के बारे में और जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति ने एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले कतर के एक एयरक्राफ्ट और उसकी मिसाइल डिफेंस क्षमताओं के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'इसमें बहुत कुछ है, बहुत क्षमता है, लेकिन मैं समझता हूं कि लगभग एक महीने में वे इन क्षमताओं को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए भेजेंगे। इसमें लगभग एक महीना लगेगा।' ट्रंप ने अलग से कहा कि उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से कनाडा में लगी जंगल की आग से निकल रहे धुएं के बारे में बात की है। ये धुआं अमेरिका में आ रहा है। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे कहा है, आपको इन आग को अंदर आने से रोकना होगा। इससे हमारी हवा जहरीली हो गई है। हमारी हवा जहरीली हो गई है। मार्क कार्नी के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन हमें वहां लगी आग को रोकना है। अगर हम उनकी मदद कर सकते हैं, तो हम उनकी मदद करेंगे, लेकिन शायद उन्हें हमें कुछ हर्जाना या कुछ और देना चाहिए या हमें कुछ टैरिफ लगाने चाहिए।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वर्ल्ड कप जीतने के बाद स्पेन के साथ उनका कोई टेंशन है, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'नहीं, मुझे कोई परेशानी नहीं है। मुझे किसी के साथ कोई परेशानी नहीं है।' फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे जरूरी ऊर्जा कॉरिडोर में से एक है। इस रास्ते पर प्रभाव डालने वाली कोई भी सैन्य लड़ाई शिपिंग में रुकावट डाल सकती है और दुनिया भर में ऊर्जा की कीमतों पर दबाव डाल सकती है।

अमेरिका से जंग तब रुकेगी, जब लड़ाई में हमारी बढ़त होगी: ईरान के विदेश मंत्री अराघची

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के कई ठिकानों पर बमबारी की, वहीं ईरान भी खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है। बढ़ती तल्खी के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका के साथ युद्ध तब तक नहीं रुकेगा, जब तक हमें लड़ाई में मजबूत बढ़त नहीं मिल जाती। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'बातचीत भी तभी होनी चाहिए, जब ईरान ऐसी स्थिति में हो जहां उसे लगे कि हालात उसके पक्ष में हैं।' अराघची ने कहा कि किसी भी युद्ध का अंत दो तरह से होता है। पहला, जब किसी एक पक्ष को सैन्य जीत मिल जाए। दूसरा, जब दोनों पक्ष बातचीत करके समझौते पर पहुंचें। लेकिन बातचीत तभी करनी चाहिए, जब संघर्ष में अपनी स्थिति मजबूत हो। जल्दबाजी में बातचीत करना सही नहीं होगा।

इसके साथ ही उन्होंने ईरान की सुरक्षा को भी अहम बताया। उन्होंने

कहा कि लोगों की जान और देश के भविष्य को खतरे में नहीं डाला जा सकता। हर फैसला पूरी जानकारी और सही आकलन के बाद ही लिया जाना चाहिए। सरकार को लगातार यह देखना चाहिए कि युद्ध जारी रखने से फायदा ज्यादा हो रहा है या नुकसान। अगर नुकसान बढ़ने लगे तो उसी हिसाब से फैसला लेना चाहिए। कुछ नुकसान के बावजूद ईरान इस युद्ध के बाद दुनिया में पहले से ज्यादा मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरा है। पश्चिम एशिया तनाव चरम पर है। अमेरिका ने सोमवार को लगातार नौवीं रात ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक ईरान के सैन्य कमांड सेंटर, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइट्स समेत कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। उत्तर-पश्चिमी ईरान की तबरीज मिसाइल फील्ड में आग लगने की खबर है। इस मिसाइल फील्ड को इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) एयरोस्पेस फोर्स चलाती है। वहीं, सेंटकॉम ने ये भी बताया कि उत्तरी इराक में बिना फटे ईरानी ड्रोन को नष्ट करने के दौरान एक अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई। एक अन्य अमेरिकी सैनिक घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। इसके साथ ही जंग में मारे गए अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर 17 तक पहुंच गई है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस और उनकी पत्नी चौथी बार बने माता-पिता, उषा ने बेटे को दिया जन्म

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस ने अपने चौथे बच्चे के जन्म की घोषणा की है। इसके साथ ही जेडी वेंस पिछले 150 से अधिक वर्षों में पद पर रहते हुए संतान का स्वागत करने वाले पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति बन गए हैं। दंपति ने अपने बेटे का नाम एलेक नील वेंस रखा है। उसका जन्म रविवार सुबह (स्थानीय समय) मैरीलैंड के बेथेस्डा स्थित वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुआ। जेडी वेंस और उषा वेंस ने संयुक्त बयान में कहा, 'हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि आज सुबह हमारे बेटे एलेक नील वेंस का जन्म हुआ है। उषा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं और हमारे अन्य बच्चे अपने छोटे भाई से मिलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति की आधिकारिक मुहर वाले इस बयान पर जेडी वेंस और उषा वेंस दोनों के हस्ताक्षर हैं। दंपति ने उषा वेंस और नवजात की देखभाल करने वाली मेडिकल टीम का भी आभार व्यक्त किया और कहा, 'वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के शानदार मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ मेंबर हमारे लिए एक आशीर्वाद रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।' एलेक दंपत्ति का चौथा बच्चा और तीसरा बेटा है। वेंस के पहले से ही दो बेटे हैं, इवान (9) और विवेक (6), और उनकी एक बेटी मिराबेल (4) है। उन्होंने अपने बच्चों को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रखा है।मिराबेल का जन्म दिसंबर 2021 में हुआ था। इस दौरान जेडी वेंस ओहियो से अमेरिकी सीनेट सीट के लिए कैंपेन कर रहे थे। दंपत्ति ने जनवरी 2026 में ऐलान किया था कि उषा एक और बेटे को जन्म देने वाली हैं। इस बच्चे के जन्म के साथ ही अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में एक दुर्लभ रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। इससे पहले, पद पर रहते हुए संतान सुख प्राप्त करने वाले अंतिम अमेरिकी उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स थे। उनके पुत्र शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म वर्ष 1870 में हुआ था।

ईरान युद्ध से होर्मुज-स्वेज के रास्ते होने वाला व्यापार खतरे में, हूतियों का इस्तेमाल कर बढ़ा सकता है युद्ध का दायरा

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप सरकार ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाला तेल परिवहन युद्ध से पहले के स्तर के करीब दो-तिहाई तक वापस पहुंच गया है। हालांकि, इस बीच नाटो के एक पूर्व कमांडर ने चेतावनी दी कि ईरान स्वेज नहर को निशाना बनाकर दोनों देशों के बीच संघर्ष का दायरा और बढ़ा सकता है। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने उन दावों को खारिज किया कि हालिया अमेरिकी हवाई हमलों और ईरानी जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज स्ट्रेट से तेल का आवागमन लगभग ठप हो गया है। एबीसी न्यूज के कार्यक्रम 'दिस वीक' में क्रिस राइट ने कहा, 'फिलहाल पिछले सात दिनों का औसत देखें तो स्ट्रेट से प्रतिदिन लगभग 70 लाख बैरल तेल का परिवहन हो रहा है। इसके अलावा, बाईपास पाइपलाइनों के जरिए भी प्रतिदिन लगभग 70 लाख बैरल अतिरिक्त तेल की आपूर्ति जारी है।'

उन्होंने कहा, 'हम अरब की खाड़ी इलाके से हर दिन 14 मिलियन बैरल से थोड़ा कम तेल ले रहे हैं। यह लड़ाई से पहले के ट्रैफिक का दो-तिहाई है, जो मार्च की तुलना में काफी ज्यादा है।' क्रिस राइट ने माना कि ट्रैफिक अभी सामान्य नहीं हुआ है। लेकिन उन्होंने कहा कि पब्लिक में मौजूद आंकड़े इस इलाके से गुजरने वाले सभी तेल टैंकर वाले जहाजों को नहीं दिखाते हैं।

उन्होंने कहा, 'जहाजों की संख्या में बहुत ज्यादा कमी आई है। जाहिर है हम अब दुनिया के बाजारों में ज्यादा से ज्यादा सप्लाई बनाए रखने के लिए बड़े टैंकर भेज रहे हैं।' यह टिप्पणी जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर ईरानी हमले में दो अमेरिकी सेवा सदस्यों के मारे जाने के बाद आई। एक और सेवा सदस्य लापता है। अमेरिकी सेना ने ईरान पर नए हमले करके अपने सैनिकों की मौत का जवाब दिया।

राइट ने कहा कि वाशिंगटन स्ट्रेट से ट्रैफिक की सुरक्षा करता रहेगा, चाहे तेहरान का सहयोग हो या न हो। खतरा होर्मुज से आगे भी बढ़ सकता है। नाटो के पूर्व सुप्रीम एलाइड कमांडर, रिटायर्ड एडमिरल जेम्स स्टैवरिडिस ने चेतावनी दी है कि ईरान स्वेज नहर को निशाना बनाकर का दायरा बढ़ाने के लिए हूतियों का इस्तेमाल कर सकता है।

स्टावरिडिस ने अमेरिकी मीडिया सीएनएन के 'स्टेट ऑफ द यूनियन' को बताया, 'ईरानी लोग दक्षिण-पश्चिम कोने में हूतियों का इस्तेमाल करके इसे बंद करने की कोशिश के बारे में बातें शुरू कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'इसलिए स्वेज नहर पर नजर रखें क्योंकि ईरान एक और चाल चल सकता है।' स्टैवरिडिस ने सुझाव दिया कि जॉर्डन में हाल के हमले लाल सागर के उत्तरी छोर के पास उसकी स्थिति से जुड़े हो सकते हैं।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था। सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है।

सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

ईरान की आईआरजीसी ने शनिवार को कहा कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर हमला किया, कुवैत में एक फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया और बहरीन में एक डेटा सेंटर को नष्ट कर दिया है।

बांग्लादेश में खसरे का कहर, चार और बच्चों की मौत से मृतकों की संख्या 788 पहुंची

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में खसरे (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले 24 घंटे में खसरे जैसे लक्षणों के कारण चार और बच्चों की मौत हो गई, जिससे इस बीमारी से जुड़ी कुल पुष्ट और संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 788 हो गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार हाल में हुई सभी चार मौतें संदिग्ध खसरा मामलों की हैं। अब तक 693 संदिग्ध और 95 प्रयोगशाला से पुष्टि किए गए खसरा जनित मौतों की पुष्टि हो चुकी है। इसी अवधि में 938 नए संदिग्ध मरीज सामने आए, जिसके बाद देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 1,17,648 हो गई है। अब तक 113 नए लैब-पुष्ट मामले मिलने से कुल पुष्ट संक्रमितों की संख्या 14,431 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार 15 मार्च से अब तक 1,00,137 संदिग्ध मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 96,521 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि शेष का इलाज जारी है।इस बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि डेंगू के बढ़ते मामलों से बांग्लादेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर दोहरा दबाव पड़ सकता है। राजधानी ढाका के प्रमुख सरकारी अस्पताल पहले से ही प्रतिदिन 900 से अधिक खसरा मरीजों का उपचार कर रहे हैं।

जॉर्डन, कुवैत, बहरीन ने ईरान के नए हमलों की दी जानकारी, तनाव कम करने की उठाई मांग

एजेंसी

काहिरा। ईरान ने जॉर्डन, कुवैत और बहरीन पर नए हमले किए हैं। अमेरिका-ईरान के बीच फिर से शुरू हुए इस हमले की वजह से पूरे मिडिल ईस्ट में फिर से तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। तीनों देश तनाव कम करने की मांग कर रहे हैं। सरकारी ब्रॉडकास्टर जॉर्डन रेडियो एंड टेलीविजन कॉर्पोरेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जॉर्डन के एयर डिफेंस ने ईरान से इलाके की ओर लॉन्च की गई तीन मिसाइलों को रोक लिया, जबकि चौथी मिसाइल दक्षिणी जॉर्डन के एक दूर-दराज के इलाके में गिरी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत या सामान का नुकसान नहीं हुआ। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया कि मिसाइलें दक्षिणी जॉर्डन के तटीय शहर अकाबा में तैनात अमेरिकी मिलिट्री एयरक्राफ्ट को निशाना बनाकर दागी गईं, जो सीधे इजरायली शहर इलियट से सटा हुआ है।घटना के बाद, इजरायल के चैनल 13 न्यूज ने बताया कि मिसाइल के जॉर्डन की ओर लॉन्च होने के बाद, अमेरिकी सेना ने इलियट से लगभग 18 किलोमीटर उत्तर में दक्षिणी इजरायल के रेमन एयरपोर्ट से रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट को हटा दिया।

इजरायल के सरकारी कान टीवी न्यूज ने कहा कि इस घटना के बाद एयरपोर्ट पर कमर्शियल पैसेंजर फ्लाइट्स की उड़ान में देरी हुई।

इससे पहले, अम्मान में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया था जिसमें कहा गया था कि अकाबा के एयरपोर्ट और सीपोर्ट को खतरे की वजह से खाली करा दिया गया है और अमेरिकियों से अगली सूचना तक उन जगहों से दूर रहने को कहा गया है। बाद में जॉर्डन के अधिकारियों ने दूतावास के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि दोनों फैसिलिटी सामान्य तरीके से काम कर रही थीं। ही, कुवैत की आर्म्ड फोर्स ने कहा कि एयर डिफेंस ने देश के ऊपर दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन को रोक दिया, जबकि एक और हमला एक पावर जनरेशन और वॉटर डीसैलिनेशन फैसिलिटी पर हुआ। इससे आग लग गई और बहुत नुकसान हुआ। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, कुवैती आर्मी ने कहा कि सुबह से ही आने वाली मिसाइलों और ड्रोन का पता लगाया गया था और उन पर हमला किया गया था। इसमें यह नहीं बताया गया कि कितने प्रोजेक्टाइल शामिल थे। सेना ने ईरान पर सिविलियन और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा चलाई जाने वाली जगहों पर हमला हुआ है। अरब लीग के सेक्रेटरी-जनरल नबील फहमी ने इलाके में चल रहे तनाव के गंभीर नतीजों की चेतावनी दी और हिंसा के नए दौर से बचने की कोशिश करने को कहा। फहमी ने अमेरिका और ईरान से तनाव कम करने के लिए तुरंत काम करने की अपील की और कहा कि तनाव बढ़ने से सभी पक्षों को और नुकसान होगा। उन्होंने इस खतरे के बारे में चेतावनी दी कि हालात काबू से बाहर हो सकते हैं, जिससे आपसी तबाही हो सकती है और इलाके और उसके बाहर आर्थिक हालात और खराब हो सकते हैं। जॉर्डन के उपप्रधानमंत्री और विदेश मामलों और प्रवासी मंत्री अयमान सफादी ने इलाके में तनाव बढ़ने और स्थिरता वापस लाने की कोशिशों पर अपने तुर्किए और कुवैती समकक्षों के साथ फोन पर अलग-अलग बात की। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान के साथ अपनी बातचीत के दौरान, सफादी ने तनाव खत्म करने, अमेरिका-ईरान सीजफायर समझौते को लागू करने और तनाव की असली वजहों को दूर करने के लिए एक बड़ा हल निकालने के लिए बातचीत पर लौटने की जरूरत पर जोर दिया। कुवैती विदेश मंत्री शेख जर्राह जाबेर अल-अहमद अल-सबा के साथ अपने कॉल में, सफादी ने ईरानी हमलों के सामने कुवैत और अन्य खाड़ी सहयोग परिषद देशों के साथ जॉर्डन की एकजुटता व्यक्त की।

page 1 and 8 July 21_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/21/2026 1:12 AM Page 2

सपा-कांग्रेस से सावधान और सतर्क रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, इनसे सटेंगे तो खतरा बढ़ेगाः सीएम योगी

बाराबंकी में रामनगर व दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 542 करोड़ से अधिक की 82 परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

***लखनऊ, 20 जुलाई।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी की धरा से प्रदेशवासियों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व समाजवादी पार्टी विरासत, विकास, गांव-गरीब, किसानों, नौजवानों और महिलाओं की जन्मजात विरोधी हैं। इनसे सावधान और सतर्क रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे अन्यथा जैसे ही इनसे सटेंगे तो खतरा बढ़ेगा। सीएम ने बुजुर्गों से अपील की कि युवाओं को सपा की गुंडागर्दी, उपद्रव, सरकारी धन की डकैती व लूट के बारे में बताइए। मुख्यमंत्री ने लोधेश्वर महादेव के सामने से जाने वाली सड़क को टूलेन से फोरलेन बनाने और गेट को भव्य बनाने के लिए प्रस्ताव मांगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में रामनगर व दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 542 करोड़ से अधिक की 82 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। सीएम ने साहित्यिक विभूतियों, खिलाड़ियों, किसानों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, सीमा की सुरक्षा करने वाले युवाओं आदि का नाम लेकर

बाराबंकी को विरासत, आध्यात्मिकता, साहित्य, समर्पण, युवा शक्ति से ओतप्रोत, स्वतंत्रता आंदोलन में अविस्मरणीय योगदान वाली प्रतिभाशाली व समृद्ध धरा बताया। कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल तक तो विकास की लौ पहुंची लेकिन लोधेश्वर महादेव मंदिर पर ध्यान नहीं दिया गया*

सीएम ने कहा कि बाराबंकी को लोधेश्वर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त है। सोमवार को बाबा का दर्शन कर अंत:करण से आनंद की अनुभूति हुई। यहां अगल-बगल के कई जनपदों से श्रद्धालु आते हैं, फिर भी मंदिर जीर्ण-शीर्ण ही रहा। आजादी के बाद भी आपके पैसे से विकास की लौ कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल तक तो पहुंची, लेकिन लोधेश्वर महादेव मंदिर, केडी सिंह बाबू की हवेली, पारिजात के महाभारत कालीन वृक्ष के संरक्षण, महादेवा, अयोध्या, काशी विश्वनाथ, गोला गोकर्णनाथ, महापुरुषों, वीरांगनाओं आदि के नाम पर योजनाओं के लिए पैसा नहीं मिला। हमारी सरकार भगवान लोधेश्वर महादेव का कॉरिडोर बना रही है, जिससे देश-प्रदेश के हर कोने से यहां आने वाला श्रद्धालु अभिभूत होगा और बाराबंकीवालों को आशीर्वाद व धन्यवाद देकर जाएगा। सरकार गोला गोकर्णनाथ में भी भव्य कॉरिडोर बना रही है। विंध्यवासिनी मंदिर का कॉरिडोर बन गया। पहले काशी में गंदगी थी और गलियां संकरी थीं लेकिन अब वह भी दिव्य-भव्य बन गई है। देश से जो भी काशी व अयोध्या आता है, हमें भी धन्यवाद देकर जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉकी में 36 वर्ष बाद भारतीय टीम ने ओलंपिक में पदक जीता लेकिन उससे पहले मेजर ध्यानचंद व केडी सिंह बाबू के समय भारत ने लगातार तीन बार स्वर्ण पदक जीता था। जिस खिलाड़ी ने हॉकी को पूरा जीवन दिया, उन केडी सिंह बाबू की हवेली बिक जाए, हमारी सरकार यह कतई स्वीकार नहीं करेगी। हमने तय किया कि वहां संग्रहालय का निर्माण होगा। सीएम ने अमेरिका के न्यू जर्सी में हुए फीफा विश्वकप का भी जिक्र करते हुए कहा कि स्पेन व अर्जेंटीना के मैच को देखकर लोगों में गजब का उत्साह था। ऐसे ही जब हॉकी चलती है तो भारत की निगाहें उस पर रहती हैं। मेजर ध्यानचंद व केडी सिंह बाबू ने इसे नई ऊंचाई दी थी। सीएम ने कहा कि विरासत के संरक्षण व सनातन मूल्यों के रक्षा के लिए महापुरुषों ने योगदान दिया। राजा बलभद्र सिंह, लाखन पासी, बिजली पासी, महाराज सुहेलदेव, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह ने देश को गुलामी से मुक्त कराने के लिए योगदान दिया। सुहेलदेव ने जहां सालार मसूद को मारा था, हमारी सरकार ने बहराइच में वहीं उनका भव्य स्मारक बनाया है। लखनऊ में वीरांगना उदा देवी, गोरखपुर में झलकारी बाई, बदायूं में अवंती बाई के नाम पर पीएसी बटालियन, बांदा में महारानी दुर्गावती, औरैया में लोकमाता अहिल्याबाई मेडिकल कॉलेज, अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट, निषादराज नाम पर रैनबसेरा का निर्माण किया है। देश के लिए योगदान व सनातन के लिए समर्पण देने वाले महापुरुषों को सरकार ने सम्मान दिया है। सनातन की सुदृढ़ नींव पर ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। सनातन सुरक्षित है तो हम सभी सुरक्षित हैं। सनातन पर खतरा आया तो कोई बच नहीं पाएगा। लोगों को बांटने वाले इन सपाइयों व कांग्रेसियों के नमूनों के मुंह संकट के समय बंद हो जाते हैं।

एसडीएम मेंढर राशिद कटारिया ने भारी बारिश से हुए नुकसान का लिया जायजा

मेंढर, 20 जुलाई (विनोद दत्ता)। जिला पुंछ की तहसील मेंढर में लगातार हो रही भारी बारिश से हुए नुकसान का रविवार को उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) मेंढर राशिद कटारिया ने विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों एवं अन्य सार्वजनिक संपत्तियों की स्थिति का अवलोकन किया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को नुकसान का तत्काल आकलन कर आवश्यक मरम्मत एवं राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा जिन स्थानों पर आवागमन प्रभावित हुआ है, वहां जल्द से जल्द यातायात बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। एसडीएम राशिद कटारिया ने प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि प्रशासन हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि खराब मौसम के दौरान नदी-नालों एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें तथा प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें।

स्थानीय समाचार

श्रीनगर नगर निगम आयुक्त ने जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए शहर का व्यापक दौरा किया

श्रीनगर, 20 जुलाई (हि.स.)। लगातार बारिश और श्रीनगर के कई हिस्सों में इसके परिणामस्वरूप हुए जलभराव को देखते हुए श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) के आयुक्त, फज़ लुल हसीब ने आज संवेदनशील क्षेत्रों और प्रमुख सार्वजनिक प्रतिष्ठानों का व्यापक दौरा किया ताकि मौजूदा स्थिति का आकलन किया जा सके और निगम के जल निकासी और आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों की समीक्षा की जा सके।

उनके साथ संयुक्त आयुक्त (प्रशासन), नुज़हत क़ुरैशी, जल निकासी सर्कल के कार्यकारी अभियंता और निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

दौरे के दौरान आयुक्त ने सरकारी मेडिकल कॉलेज श्रीनगर, ईदगाह, खानयार, हरि सिंह हाई स्ट्रीट और शहर भर के अन्य निचले इलाकों सहित कई जलभराव प्रभावित स्थानों का निरीक्षण किया।

आयुक्त ने जल निकासी स्टेशनों, मोबाइल पंपिंग इकाइयों, वर्षा जल निकासी अवसंरचना और चौबीसों घंटे काम कर रही फील्ड टीमों की तैनाती की समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी जल निकासी सुविधाओं के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने, संवेदनशील स्थानों की निरंतर निगरानी बनाए रखने और जल जमाव की रिपोर्टों पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया विशेष रूप से अस्पतालों, प्रमुख सड़कों, वाणिज्यिक केंद्रों और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक बुनियादी ढांचों के आसपास सक्रिय जमीनी प्रबंधन के महत्व पर जोर देते हुए आयुक्त ने अधिकारियों को खराब मौसम के दौरान निगरानी तेज करने सभी इंजीनियरिंग विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि पंपिंग स्टेशन, नालियां और वर्षा जल निकासी नेटवर्क पूरी तरह से कार्यरत रहें ताकि वर्षा जल का शीघ्र निकास हो सके और जनता को होने वाली असुविधा को कम किया जा सके।

आयुक्त ने आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की तैयारियों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भी आवश्यकता हो तत्काल तैनाती के लिए पर्याप्त जनशक्ति, मशीनरी और मोबाइल पंपिंग यूनिट तैयार रखें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा मौसम की स्थिति में निर्बाध नागरिक सेवाएं और जन सुरक्षा निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्रीनगर नगर निगम का चौबीसों घंटे नियंत्रण कक्ष जलभराव और अन्य नागरिक आपात स्थितियों से संबंधित जनता की शिकायतों को प्राप्त करने और उनका समाधान करने के लिए पूरी तरह से कार्यरत है। नागरिकों को जलभराव, नालियों के अवरोध या संबंधित समस्याओं की सूचना एसएमसी हेल्पलाइन नंबर 0194-2474499, 0194-2470465 या टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-180-7038 के माध्यम से देने की सलाह दी गई है।

समय पर हस्तक्षेप और प्रभावी शिकायत निवारण सुनिश्चित करने के लिए पूरे शहर में विशेष आपातकालीन प्रतिक्रिया दल तैनात किए गए हैं।

जन कल्याण के प्रति निगम की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आयुक्त ने कहा कि श्रीनगर नगर निगम हाई अलर्ट पर है और वर्तमान वर्षा ऋतु के दौरान जन सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा और आवश्यक नागरिक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करता रहेगा। उन्होंने नागरिकों से जलभराव संबंधी समस्याओं की शीघ्र सूचना और निवारण के लिए एसएमसी हेल्पलाइन का उपयोग करने की अपील भी की।

राजौरी जिला प्रशासन ने बाढ़ राहत कार्य तेज किया

राजौरी, 20 जुलाई(हि.स.)। जिले के कई हिस्सों में आई भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के मद्देनजर राजौरी जिला प्रशासन ने प्रभावित आबादी की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए व्यापक राहत, बचाव और पुनर्स्थापन अभियान शुरू किया है।

राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा और एसएसपी गौरव सिकरवार ने जमीनी स्थिति का आकलन करने नुकसान की समीक्षा करने और प्रभावित निवासियों से बातचीत करने के लिए संयुक्त रूप से विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान डीसी ने जनता को आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समय पर राहत, पुनर्वास और आवश्यक सेवाओं की बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विस्थापित परिवारों को तत्काल आश्रय और सहायता प्रदान करने के लिए, जिला प्रशासन ने राजौरी के सरकारी बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल में एक राहत और पुनर्वास केंद्र स्थापित किया है।

बिश्नाह के खेतों में लावारिस मिली गायब बोलेरो, जांच शुरू

जम्मू,, 20 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के बिश्नाह थाना क्षेत्र स्थित हेरिटेज कॉलोनी से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हुई एक बोलेरो गाड़ी खेतों से लावारिस हालत में बरामद हुई है। सूचना मिलते ही बिश्नाह पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बोलेरो खेतों में खड़ी मिली। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वाहन वहां कैसे पहुंचा और इसके पीछे क्या कारण हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

महानपुर कॉलेज में पीएमएसएसएस दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया शुरू

कठुआ, 20 जुलाई (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना सत्र 2026-27 के तहत विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) संगीता सूदन के मार्गदर्शन में पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। दस्तावेज सत्यापन की जिम्मेदारी भौतिकी विभाग की प्रमुख प्रो. बिंती शर्मा को नोडल अधिकारी व संयोजक के रूप में सौंपी गई है। उनके साथ समिति सदस्य मंगू राम और सनी शर्मा भी सक्रिय रूप से विद्यार्थियों के दस्तावेजों की जांच में सहयोग कर रहे हैं। कॉलेज प्रशासन ने पात्र विद्यार्थियों से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मूल दस्तावेज व उनकी प्रतियां लेकर समय पर सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। प्रिंसिपल ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को योजना का लाभ समय पर दिलाना संस्थान की प्राथमिकता है।

मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनज़र डीसी बांदीपोरा ने तैयारियों और बाढ़ नियंत्रण उपायों की समीक्षा की

बांदीपोरा, 20 जुलाई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ईएमडी श्रीनगर द्वारा जारी मौसम संबंधी चेतावनी के मद्देनज़र उपायुक्त डीसी दीपोरा एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डीडीएमए की अध्यक्ष इंदु कंवल चिब ने सोमवार को जिले की तैयारियों और बाढ़ नियंत्रण उपायों की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें मौजूदा मौसम की परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी संभावित आपदा से निपटने की तैयारियों का आकलन किया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय मजबूत रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ब्लॉक और नियाबत कार्यालयों में राहत एवं बचाव सामग्री का पर्याप्त भंडार उपलब्ध रखा जाए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके।

डीसी ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सभी अधिकारियों को बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के अपने-अपने मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए, ताकि आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र हर समय पूरी तरह सक्रिय बना रहे।

नेकॉ कार्यकर्ताओं ने मेंढर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की उठाई मांग

मेंढर, 20 जुलाई। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के कार्यकर्ताओं ने एडवोकेट नज़ीर चौधरी एवं सैयद चौधरी के नेतृत्व में मेंढर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों ने राज्य का दर्जा बहाल करने के समर्थन में नारेबाजी की और भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल होने से लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होंगी, सुशासन को बढ़ावा मिलेगा तथा प्रदेश के लोगों के अधिकारों और आकांक्षाओं की बेहतर रक्षा सुनिश्चित होगी। प्रदर्शन के उपरांत नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं एवं

कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) मेंढर इमरान राशिद को एक ज्ञापन सौंपा तथा अनुरोध किया कि इसे संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना समय की मांग है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस लंबे समय से लंबित मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। एसडीएम मेंढर इमरान राशिद ने ज्ञापन प्राप्त किया, जिसके बाद सभी कार्यकर्ता शांतिपूर्वक अपने-अपने स्थानों के लिए रवाना हो गए।

राज्य का दर्जा बहाल करो-एनसी का कठुआ में प्रदर्शन, केंद्र पर वादाखिलाफी का आरोप

कठुआ, 20 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कठुआ में जोरदार प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ धरना दिया। जिला सचिवालय के समक्ष आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व एनसी के वरिष्ठ नेता के के बक्शी और सुभाष कुमार ने किया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राज्य का दर्जा जल्द बहाल करने की मांग उठाई। नेताओं ने कहा कि जिस तरह पार्टी के मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक दिल्ली में राज्य के दर्जे की बहाली को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं उसी कड़ी में कठुआ में भी विरोध प्रदर्शन किया गया है। नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से वादा किया था कि चुनाव के बाद राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा लेकिन लगभग दो साल बीत जाने के बावजूद यह वादा पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र की इस वादाखिलाफी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। एनसी नेताओं ने कहा कि वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में दोहरी व्यवस्था जैसी स्थिति बनी हुई है जहां एक ओर उपराज्यपाल का प्रशासन है और दूसरी ओर निर्वाचित सरकार, जिसके कारण आम लोगों के काम प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी बढ़ रही है और विकास कार्य ठप पड़े हैं जिससे जनता परेशान है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाए ताकि क्षेत्र में अमन, शांति और विकास को फिर से गति मिल सके।

भारी बारिश व फ्लैश फ्लड की आशंका के बीच कठुआ पुलिस ने की एडवाइजरी जारी

कठुआ, 20 जुलाई (हि.स.)। जिले में लगातार बिगड़ते मौसम और भारी वर्षा के चलते फ्लैश फ्लड की आशंका को देखते हुए कठुआ पुलिस ने आम जनता के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। एडवाइजरी के अनुसार लोगों को सभी जल स्रोतों जैसे नदियों, नालों, झीलों और झरनोंकूसे दूर रहने की सलाह दी गई है। किसी भी स्थिति में इन स्थानों के पास जाना, खड़ा होना या कैंप करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके अलावा मछली पकड़ने, नौकायन, तैराकी या अन्य जल गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से बंद रखने को कहा गया है। पुलिस ने विशेष रूप से चेताया है कि लोग पानी के किनारे फोटो या सेल्फी लेने से बचें क्योंकि नदी किनारे अचानक धंस सकते हैं। साथ ही सूखे नालों, नदी तल या ड्रेनेज क्षेत्रों से भी दूर रहने की सलाह दी गई है क्योंकि ये कुछ ही मिनटों में तेज बहाव वाले पानी से भर सकते हैं। एडवाइजरी में यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी स्थिति में जलभराव वाली सड़कों, पुलों या लो-वॉटर क्रॉसिंग को पार करने का प्रयास न करें। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे बच्चों को खुले नालों, पुलियों और जमा पानी के पास न जाने दें। कठुआ पुलिस ने यह भी कहा है कि यदि कोई व्यक्ति पानी में फंस जाता है तो खुद बचाव करने के लिए पानी में न कूदें बल्कि रस्सी या तैरने योग्य वस्तु फेंककर मदद करें और तुरंत आपातकालीन सेवाओं को सूचित करें। किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए पुलिस कंट्रोल रूम कठुआ के नंबर 09858034100 और 01922-234100 पर संपर्क करने या 112 डायल करने की अपील की गई है।

नुब्रा के पहले दौरे पर एल-जी वीके सक्सेना ने बर्मा-सुमूर और टोंगस्टेड मोटरेबल पुलों की आधारशिला रखी

बर्मा-सुमूर पुल बनने से 70 किलोमीटर का सफर घटकर केवल 500 मीटर रह जाएगा, सीमावर्ती गांवों की कनेक्टिविटी में आएगा बड़ा बदलाव

एल-जी बोले—प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में अभूतपूर्व आधारभूत ढांचा विकास हुआ-नुब्रा 20 जुलाई उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने नुब्रा जिले के अपने पहले दौरे के दौरान आज सियाचिन नदी पर बनने वाले बर्मा-सुमूर मोटरेबल पुल और टोंगस्टेड मोटरेबल पुल की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं से नुब्रा घाटी के सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था को बड़ी मजबूती मिलेगी।

निर्माण पूरा होने के बाद बर्मा-सुमूर पुल सुमूर और बर्मा, चारासा, कुरी तथा मुर्गी गांवों के बीच लगभग 70 किलोमीटर की दूरी को घटाकर मात्र 500 मीटर कर देगा। इससे यात्रा का समय काफी कम होगा और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा बाजार सरकारी सेवाओं तथा जिला मुख्यालय डिस्किट तक तेज और आसान पहुंच मिलेगी। वहीं टोंगस्टेड

पुल कई दूरदराज के गांवों को पूरे वर्ष सुरक्षित और विश्वसनीय संपर्क प्रदान करेगा, जिससे आवश्यक सेवाएं लोगों के और करीब पहुंच सकेंगी।

केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के विशेष विकास पैकेज एसडीपी के तहत बनाई जा रही इन दोनों परियोजनाओं से सीमावर्ती क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था में व्यापक बदलाव आएगा।

64.10 करोड़ रुपये की लागत वाली बर्मा-सुमूर पुल परियोजना के तहत तीन स्थानों पर कुल 470 मीटर लंबे पुल, 2.5 किलोमीटर संपर्क मार्ग तथा 6 आरसीसी कल्वर्ट बनाए जाएंगे। इस परियोजना से लगभग 848 लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही किसानों को अपनी उपज तेजी से बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी, जिससे कृषि, पर्यटन और स्थानीय आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा।

वहीं 19.29 करोड़ रुपये की लागत वाली टोंगस्टेड पुल परियोजना के अंतर्गत सियाचिन नदी पर 160 मीटर लंबा स्टील प्लेट गर्डर पुल बनाया जाएगा। ऊंचाई वाले कठिन भौगोलिक क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह पुल टोंगस्टेड, यारमा गोनबो, डोंगसा, नुंगस्टेड, हेनाची, चांगलुंग और सासोमा** गांवों को पूरे वर्ष संपर्क सुविधा प्रदान करेगा। इससे 500 से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा कृषि उत्पादों और आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही आसान होगी तथा क्षेत्र के महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र यारमा गोनबो तक पहुंच भी सुगम बनेगी।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि नुब्रा घाटी जैसी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर जगह का पहली बार दौरा करना और यहां के लोगों को ये परिवर्तनकारी परियोजनाएं समर्पित करना उनके लिए गौरव की बात है।

कठुआ में स्वतंत्रता दिवस-2026 की तैयारियों की समीक्षा

कठुआ, 20 जुलाई (हि.स.)। डीसी कठुआ डॉ. राजेश शर्मा ने सोमवार को जिला अधिकारियों की बैठक लेकर स्वतंत्रता दिवस-2026 के सफल आयोजन हेतु तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि मुख्य समारोह स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में आयोजित होगा जहां मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और मार्च-पास्ट की सलामी लेंगे। परेड में पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बल, वन सुरक्षा बल, एनसीसी और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी भाग लेंगे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थल की मरम्मत, सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, पेयजल, बिजली, साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था व अन्य सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। समारोह की शुरुआत उपायुक्त व एसएसपी कार्यालय में शहनाई वादन से होगी। उन्होंने स्कूलों-कॉलेजों से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन, सरकारी भवनों की सजावट, सफाई अभियान और पौधारोपण गतिविधियों को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा, एडीसी महिमा मदान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।